राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण शुक्रवार,07 अप्रैल-2023 वर्ष-6,अंक-72 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अडानी पर जोर न दें राहुल; रैली से पहले ही टेंशन में क्यों कर्नाटक कांग्रेस के नेता

कांग्रेस के लिए मुश्किल यह है कि पार्टी के ही कुछ नेता राहुल गांधी की रणनीति से सहमत नहीं हैं। पार्टी के कुछ नेताओं का कहना है कि अडानी के मसले से कर्नाटक के चुनाव में कोई फायदा नहीं होगा।

एजेंसी

नई दिल्ली। कर्नाटक विधानसभा चुनाव का ऐलान हो चुका है और 10 मई को वोटिंग है। इस तरह राज्य में चुनाव के लिए एक ही महीने का वक्त बचा है और राहुल गांधी भी सक्रिय होते दिख रहे हैं। वह 10 अप्रैल को कोलार में एक रैली करने जा रहे हैं। यह स्थान इसलिए अहम है क्योंकि 2019 में उन्होंने यहीं पर एक रैली में मोदी सरनेम को लेकर विवादित टिप्पणी कर दी थी, जिस पर उनके खिलाफ मानहानि का केस दर्ज हुआ था और उन्हें दो साल की सजा मिली है। राहुल गांधी अब भी मोदी सरकार के खिलाफ आक्रामक हैं और अडानी के मसले पर भी लगातार बोल रहे हैं। हालांकि कांग्रेस के लिए मुश्किल यह है कि पार्टी के ही कुछ नेता राहुल गांधी की रणनीति से सहमत नहीं हैं। पार्टी के कुछ नेताओं का कहना है कि अडानी के मसले से कर्नाटक के चुनाव में कोई फायदा नहीं होगा। इन नेताओं का कहना है कि एक या दो बार अडानी

हालांकि कांग्रेस के लिए मुश्किल यह है कि पार्टी के ही कुछ नेता राहुल गांधी की रणनीति से सहमत नहीं हैं। पार्टी के कुछ नेताओं का कहना है कि अडानी के मसले से कर्नाटक के चुनाव में कोई फायदा नहीं होगा।

का मसला उठाना ठीक है, लेकिन उसके पीछे नहीं पड़ा जा सकता। न्यूज 18 की रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस के कुछ नेता मानते हैं का राहुल गांधी को कोलार से अपनी यात्रा शुरू नहीं करनी चाहिए। इन नेताओं का कहना है कि इससे भाजपा को एक पॉइंट मिल सकता है, जो कर्नाटक के चुनाव में फिलहाल बैकफुट पर है।

दरअसल कांग्रेस नेताओं की चिंता यह है कि कोलार में राहुल गांधी सूरत कोर्ट के फैसले पर बात कर सकते हैं। इसके अलावा पीएम नरेंद्र मोदी से गौतम अडानी के रिश्तों को लेकर आक्रामक हो सकते हैं। इस पर कर्नाटक कांग्रेस के नेताओं का मानना है कि इन मुद्दों से पार्टी को चुनाव में खास फायदा नहीं होगा। इसकी बजाय स्थानीय मुद्दों और भाजपा सरकार पर करप्शन के आरोपों पर फोकस करना चाहिए। इन नेताओं का कहना है कि हमने राहुल गांधी की टीम को सलाह दी है कि वे अडानी के मुद्दे को न उठाएं। असल में यहां सबसे बड़ा मुद्दा तो बोम्मई सरकार का भ्रष्टाचार है। राहुल गांधी अकसर अपने ही हिसाब से मुद्दे उठाते रहे हैं। ऐसे में कई बार राज्य स्तर पर नेताओं को असहमति भी रही है। दरअसल कांग्रेस नेताओं की चिंता यह भी है कि राहुल गांधी की ओर से मोदी पर हमला बोलने से मुकाबला राष्ट्रीय स्तर का हो सकता है। मुकाबला यदि राहुल गांधी बनाम मोदी हुआ तो कांग्रेस को बैकफुट पर जाना पड़ सकता है। यही वजह है कि कर्नाटक कांग्रेस के नेता मानते हैं कि स्थानीय मुद्दे ही फायदा पहुंचाएंगे और राष्ट्रीय मसलों से दूर रहना चाहिए।

जहांगीरपुरी में शोभा यात्रा को मंजूरी; चप्पे-चप्पे पर होंगे सुरक्षा के इंतजाम, ड्रोन से रखी जाएगी नजर

नई दिल्ली। आखिरकार, दिल्ली पुलिस ने जहांगीरपुरी में गुरुवार को हनुमान जयंती के मौके पर शोभा यात्रा को मंजूरी दे दी है। इस बात का फैसला बुधवार देर रात को लिया गया। पुलिस का कहना है कि शोभायात्रा के दौरान इलाके में सुरक्षा के कड़े इंतजाम होंगे। शोभायात्रा के दौरान इलाके पर ड्रोन से नजर रखी जाएगी। दरअसल, बीते साल जहांगीरपुरी इलाके में हनुमान जयंती के मौके पर शोभा यात्रा पर पथराव हो गया था। इसकी वजह से इलाके में दंगा फैल गया। पुलिस ने इस वजह से इलाके में किसी भी शोभा यात्रा को मंजूरी नहीं दी थी।

शोभा यात्रा को शांति पूर्ण निकालने को लेकर बन रही रणनीति

देर रात दिल्ली पुलिस के स्पेशल सीपी कानून एवं व्यवस्था दीपेंद्र पाठक ने कहा कि दिल्ली पुलिस ने जहांगीरपुरी में शोभा यात्रा को निकालने की अनुमति दे दी है। शोभा यात्रा के आयोजकों से बात की जा रही है। शोभा यात्रा को शांति पूर्ण एवं सुनियोजित तरीके से निकालने की रणनीति पर काम किया जा रहा है। यात्रा को सुरक्षित वातारण में निकालने के लिए पूरी तैयारी की जा रही है। फिलहाल, इलाके में कड़ी सुरक्षा बंदोबस्त किए गये हैं। मालूम हो कि विश्व हिंदू परिषद ने बुधवार को दिल्ली पुलिस को एक पत्र लिखा था। विश्व हिंदू परिषद ने दिल्ली पुलिस से शोभा यात्रा को निकालने की अनुमति देने की मांग की थी। दिल्ली पुलिस को लिखे पत्र में विश्व हिंदू परिषद ने कहा था कि पुलिस को हिंदू भावनाओं का दमन करने के बजाय हमलावरों और उपद्रवियों पर लगाम लगाना चाहिए। दिल्ली पुलिस ने बुधवार को इलाके में सुरक्षा बढ़ाते हुए फ्लैग मार्च किया था। इस दौरान डीसीपी जितेंद्र मीणा के नेतृत्व में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। पुलिस ने इलाके के प्रतिष्ठित लोगों के साथ बैठकें की और इलाके में शांति व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग देने की अपील की।

गृह मंत्रालय की एडवाइजरी, हनुमान जयंती पर कानून-व्यवस्था बनाए रखें सभी राज्य

एजेंसी

नई दिल्ली। रामनवमी के मौके पर देश में कई हिस्सों में हिंसा भड़की थी। रामनवमी पर हुई हिंसा को देखते हुए केंद्र सरकार अलर्ट हो गई है। गृह मंत्रालय ने अब हनुमान जयंती को लेकर एडवाइजरी जारी की है। एडवाइजरी में सभी राज्यों से कानून-व्यवस्था बनाए रखने को कहा गया है।

गृह मंत्रालय की एडवाइजरी-मंत्रालय ने हनुमान जयंती की तैयारी को लेकर सभी राज्यों को एडवाइजरी जारी की है। राज्य सरकारों को कानून और व्यवस्था बनाए रखने को कहा गया है। इसके अलावा त्योहार का शांतिपूर्ण पालन करने और समाज में सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने वाले लोगों की निगरानी करने को भी कहा है।

हिंसा पर कलकत्ता हाईकोर्ट सख्त

उधर, पश्चिम बंगाल में हुई हिंसा को लेकर कलकत्ता हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने ममता बनर्जी सरकार से पूछा कि हनुमान जयंती को देखते हुए राज्य में शांति सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं। इसके साथ ही अदालत ने राज्य सरकार को हनुमान जयंती के मौके पर शांति बनाए रखने में पुलिस की सहायता के लिए केंद्रीय बलों की मांग करने का निर्देश दिया है।

हाईकोर्ट ने दिया था रिपोर्ट पेश करने का

निर्देश-बता दें कि हाईकोर्ट ने मंगलवार को राज्य सरकार को रामनवमी के जुलूस के दौरान हुई हिंसा को लेकर रिपोर्ट मांगी थी। हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश टीएस शिवज्ञानम और हिरणमय भट्टाचार्य की पीठ ने राज्य सरकार को इस संबंध में एक पूरक हलफनामा दायर करने का निर्देश दिया, जिसमें रिसड़ा में हिंसा के कारणों के बारे में जानकारी मांगी गई थी।

कैब और टैक्सी ड्राइवरों के लिए खुशखबरी, एक्सप्रेसवे पर स्पीड लिमिट में छूट देने की तैयारी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत में ट्रैफिक को लेकर जो नियम हैं उसके मुताबिक, प्राइवेट नंबर वाले कार एक्सप्रेसवे पर अधिकतक 120 किमी प्रति घंटे और नेशनल हाईवे पर 100 किलो मीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से चल सकते हैं। वहीं, कैब और टैक्सी ड्राइवरों को यह छूट नहीं मिली है। उन्हें फिलाहल 80 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से ही अपनी कार चलाने की इजाजत है। इसके लिए उनकी कारों में गति सीमित करने वाले उपकरण अनिवार्य रूप से लगाने का प्रावधान है। हालांकि, सरकार उन्हें भी छूट देने के बारे में विचार कर रही है। केंद्र सरकार

प्राइवेट कारों और कैब/टैक्सियों के लिए लेन कॉन्फिगरेशन के आधार पर अलग-अलग सड़कों के लिए अधिकतम गति सीमा समान करने पर विचार कर रही है। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी की अध्यक्षता में इस महीने के अंत तक होने वाली राज्यों के परिवहन मंत्रियों की बैठक में इस मामले पर चर्चा होने की संभावना है। अधिकारियों ने यह भी कहा है कि कोर्ट के आदेश के कारण एसएलडी का फिट होना अनिवार्य है। सूत्रों ने कहा कि सड़क परिवहन मंत्रालय द्वारा मोटर वाहनों की गति सीमा की समीक्षा के लिए गठित कमेटी द्वारा विचार-विमर्श के दौरान अलग-अलग तरह की सड़कों के लिए कारों और टैक्सियों/कैब के लिए अलग-अलग गति सीमा के मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि कैब और टैक्सी ड्राइवरों का कहना है कि हमारे पर कमर्शियल लाइसेंह होते हैं। हमारे पास लॉन्ग हॉल ड्राइव का अधिक अनुभव होने के बावजूद हम 80 किमी प्रति घंटे से अधिक ड्राइव नहीं कर सकते हैं, क्योंकि टैक्सी और कैब में इनबिल्ट एसएलडी होते हैं।

अलेक्सा और अमेजन म्यूजिक पर भी सुन सकेंगे प्रधानमंत्री के भाषण, हुआ अहम समझौता

एजेंसी

नई दिल्ली। अब तक हम लोग सरकार के कार्यक्रमों, प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति के भाषण ज्यादातर टीवी या रेडियो पर ही सुना करते थे। हालांकि अब ये सारी चीजें अमेजन म्यूजिक और अलेक्सा पर भी उपलब्ध होंगी। सूचना प्रसारण मंत्रालय और अमेजन ने एक सहमित पर साइन किए हैं जिसके मुताबिक राष्ट्रीय महत्व के कार्यक्रम इन प्लेटफॉर्म पर भी उपलब्ध होंगे। सरकार और अमेजन मल्टीडाइमेंशनल पार्टनरशिप के तहत काम करेंगे। इस समझौते के तहत अमेजन प्राइम वीडियो, अलेक्सा, अमेजन म्यूजिक और अमेजन ई मार्केटप्लेस के जरिए सरकारी कार्यक्रमों का भी प्रसारण किया जाएगा। पब्लिकेशन डिविजन की किताबों और कैटलॉग के साथ भारत की संस्कृति पर आधारित किताबें अमेजन ई कॉमर्स पर उपलब्ध होंगी। इसके अलावा भारतीय संगीत का प्रोशन भी अमेजन म्यूजिक और अलेक्सा के जरिए किया जाएगा।

केंद्रीय सूचना प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा, इस पार्टनरशिप से इंडस्ट्री और अकैडमिक का भी लिंक आसान हो जाएगा। समझौते के मुताबकि फिल्म ऐंड टेलिविजन इस्टिट्यूट ऑफ इंडिया और सत्यजीत रे फिल्म टेलिविजन इस्टिट्यूट ऑफ इंडिया के छात्रों को इंटर्नशिप और प्रजेंटेशन का मौका मिलेगा। इससे प्रतिभावान कलाकारों के संघर्ष का समय कम हो जाएगा। इसके अलावा अमेजन प्राइम वीडियो स्कॉलरशिप भी देगा। नेशनल फिल्म डिवेलपमेंट कॉर्पोरेशन के साथ मिलकर यह छात्रों के स्किल बिल्डिंग में सहयोग करेगा।

ताजमहल तोड़कर मंदिर बनवाएं, कुतुब मीनार भी गिराएं; बीजेपी विधायक की पीएम मोदी से अपील

एजेंसी

गुवाहाटी। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद के द्वारा कक्षा 12वीं के इतिहास की किताब से मुगल काल के कुछ अध्यायों को कथित तौर पर हटाने का विवाद अभी थमा भी नहीं था कि असम के भाजपा विधायक रूपज्योति कुर्मी ने आगरा में बने ताजमहल को गिराने की अपील प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कर दी है। उन्होंने कुतुब मीनार को भी गिराने की मांग कर नया विवाद खड़ा कर दिया है। भाजपा विधायक का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में वह इस तथ्य की भी जांच कराने की मांग कर रहे हैं कि क्या मुगल बादशाह शाहजहां अपनी पत्नी मुमताज से सचमुच प्यार करते थे। असम बीजेपी के विधायक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुगल काल के इन दो स्मारकों वाली जगह पर मंदिर बनाने की भी अनुरोध किया है। मरियानी विधायक ने यह भी घोषणा की कि वह मंदिर निर्माण के लिए एक साल का वेतन दान करने

के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, मैं प्रधानमंत्री से ताजमहल और कुतुब मीनार को तुरंत ध्वस्त करने का आग्रह करता हूं। इन दोनों स्मारकों की जगह दुनिया के सबसे खूबसूरत मंदिर बनने चाहिए। उन दोनों मंदिरों की वास्तुकला ऐसी होनी चाहिए कि कोई अन्य स्मारक उनके करीब भी न हो। उन्होंने सवाल किया कि 17वीं शताब्दी के राजा ने मुमताज की मृत्यु के बाद तीन बार और शादी क्यों की? उन्होंने दावा किया कि दुनिया के सात अजूबों में से एक इस ताजहमल को हिंदू राजघराने की संपत्ति से बनाया गया था। भाजपा विधायक ने कहा, साल 1526 में मुगल भारत आए और इसके बाद आगरा में ताजमहल बनाया। शाहजहां ने हिंदू राजाओं से लिए गए धन से ताजमहल बनवाया। वह हमारा पैसा था। उन्होंने अपनी चौथी पत्नी के लिए ताजमहल बनवाया। उन्होंने सात पत्नियों से शादी की और मुमताज उनकी चौथी पत्नी थीं। अगर वह मुमताज से इतना प्यार करते थे तो उन्होंने बाद में और पत्नियों से शादी क्यों की? न्यूज एजेंसी एएनआई से बात करते हुए चार बार के विधायक रहे रूपज्योति ने कहा कि जिसे हम व्यापक रूप से प्रेम की गवाही मानते हैं वह वास्तव में प्रेम का प्रतीक है ही नहीं।

50 करोड़ साल पुरानी चट्टान की खोज

हिमालय से भी 10 गुना ज्यादा उम्र

एजेंसी

देहरादून। वैज्ञानिकों ने हिमालय बनने से पहले की एक चट्टान का पता लगाया है। हिमालय की उत्पत्ति और विकास को जानने का प्रयास कर रहे वैज्ञानिकों को चट्टान के अवशेष खोजने में सफलता मिली। वाडिया हिमालयन भू-विज्ञान संस्थान के वैज्ञानिकों को यह अवशेष हिमाचल के सतलुज घाटी क्षेत्र के किन्नौर में मिले। प्लेयोजोयिक युग की आज से करीब 50 करोड़ साल पुरानी चट्टान है। ये अवशेष वैज्ञानिकों को हिमालय के विकास की सटीक जानकारी देने में मदद करेंगे। वाडिया हिमालयन भू-विज्ञान संस्थान के डॉ. एसएस ठाकुर और उनकी टीम ने अपने शोध कार्यों में हिमालय के रहस्यों को सुलझाने में सफलता पाई है। उनका शोध ब्रिटेन के प्रतिष्ठित जर्नल ऑफ पेट्रोलॉजी में प्रकाशित हुआ है। इसमें प्रकाशित होने वाला यह वाडिया संस्थान का पहला शोध पत्र है। डॉ. ठाकुर ने बताया कि सामान्यत वैज्ञनिक जगत में माना जाता है कि हिमालय पर पाई जाने वाली उच्च ताप दाब वाली चट्टानें इसकी उत्पत्ति के दौरान बनी हैं।

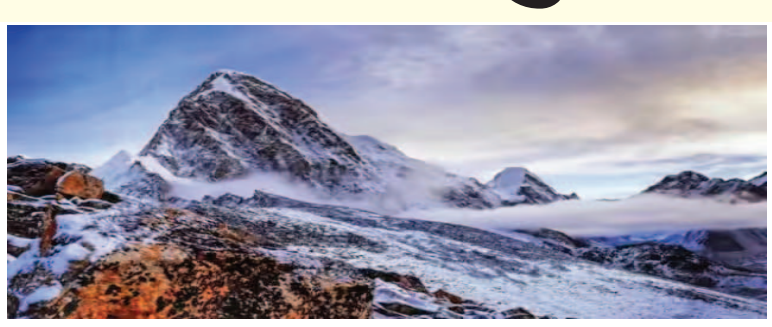

यह वास्तव में पूरी तरह से सही नहीं है। इनमें से कुछ उच्च ताप दाब की चट्टानें हिमालय निर्माण से काफी पहले की हैं। इस शोध में ऐसी ही कुछ चट्टानें खोजी गई हैं। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ.एसएस ठाकुर ने कहा कि खोज से ये साबित हुआ है कि हिमालय में पाई जाने वाली उच्च ताप दाब की कुछ चट्टानें हिमालयन काल से भी पुरानी हैं। यह शोध हिमालय में पाई जाने वाली चट्टानों के विकास, निर्माण प्रक्रिया को बेहतर तरीके से समझने में मदद करेगा।

खोज अहम क्यों-शोध में थर्मोडायनमिक विधि, पेट्रोग्राफिक अध्ययन, ईपीएमए विश्लेषण और खनिजीय संघटनों के अध्ययन से साबित किया है कि यह चट्टानें 800 डिग्री सेंटीग्रेड तापमान पर जमीन से 20 से 25 किमी की गहराई पर बनी हैं। ऐसी चट्टानें बहुत कम हैं।

हिमालय को जानिए-भूगर्भीय रूप से हिमालय की उत्पत्ति भारतीय टेक्टोनिक प्लेट के प्रभाव से हुई। यह प्रति वर्ष एक से तीन सेमी बढ़ रहा है। औसत उम्र 5-6 करोड़ साल है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, हिमालय अभी निर्माणावस्था में है। यह 2400 किलोमीटर लंबाई में फैला है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

ट्रंप की गिरफ्तारी

अमेरिका में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की गिरफ्तारी की चर्चा पूरी दुनिया में हो रही है, तो कोई आश्चर्य नहीं। अमेरिका में किसी राष्ट्रपति या पूर्व राष्ट्रपति की गिरफ्तारी का यह विरल मामला है। इससे पहले वहां ऐसी गिरफ्तारी सन् 1872 में राष्ट्रपति यू एस ग्रांट की हुई थी। वाशिंगटन में दो घोड़ों वाला रथ तेज दौड़ाने के लिए हुई वह गिरफ्तारी आज के लिए बहुत सामान्य बात है, लेकिन डोनाल्ड ट्रंप को जिस आरोप में गिरफ्तार किया गया, वह सनसनीखेज ही नहीं, बल्कि शर्मनाक भी है। यह एक प्रमाण है कि लोकतंत्र की शान रहे अमेरिका में उच्चस्तरीय राजनीति में नैतिकता का किस कदर क्षरण हुआ है। आरोप है कि ट्रंप ने साल 2016 में राष्ट्रपति चुनाव के प्रचार के दौरान एक यौनकर्मी को चुप रहने के लिए पैसे का भुगतान किया था। यह हर लिहाज से दुखद है कि राष्ट्रपति बनने के लिए या अपने स्याह अतीत को छिपाने के लिए उन्होंने भारी खर्च किया। ट्रंप ने अदालत में पेश होकर खुद को निर्दोष बताया है, लेकिन इस मामले में उन्हें अधिकतम चार साल की सजा हो सकती है। अगर सजा होती है, तो यह प्रकरण अमेरिकी इतिहास का एक सबसे शर्मनाक अध्याय बन जाएगा। यह विडंबना है कि ट्रंप उस यौनकर्मी के साथ मुलाकात से इनकार करते हैं, पर भुगतान को स्वीकार करते हैं। गिरफ्तारी के ठीक पहले ट्रंप ने कहा, 'ये लोग मुझे गिरफ्तार करने जा रहे हैं। विश्वास नहीं होता कि यह सब अमेरिका में हो रहा है'। वास्तव में, विश्वास तो उनके उन समर्थकों का टूटा है, जिन्होंने उन पर भरोसा किया था। विश्वास तो उस देश का आहत हुआ है, जिसने आज तक ऐसा राष्ट्रपति या पूर्व राष्ट्रपति नहीं देखा, जो 30 से ज्यादा आरोप लगभग निर्लज्जता के साथ झेल रहा है, जिनमें से ज्यादातर अपराध या धोखाधड़ी से जुड़े हैं। एक या दो आरोप पर भले आज बहस हो सकती है, लेकिन जिस पर 30 से ज्यादा आरोप हैं, उसके साथ अमेरिकी जनता को भला क्यों सहानुभूति हो? ट्रंप के खिलाफ दो बार महाभियोग की प्रक्रिया चली, लेकिन उनकी रिपब्लिकन पार्टी अपने संख्या बल के जोर पर उन्हें बचाती रही। क्या ट्रंप को मिल रहा राजनीतिक समर्थन बदले हुए अमेरिका का संकेत है? कहां गया वह अमेरिका, जो राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन के खिलाफ खड़ा हो गया था और साफ बोल दिया था कि इस देश में झूठ बोलने वाला राष्ट्रपति नहीं चलेगा। एक झूठ निक्सन को ले डूबा था, लेकिन यहां तो डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ झूठ बोलने के सिलसिलेवार आरोप हैं। कहना न होगा, निक्सन और ट्रंप की मिट्टी में फर्क है। अमेरिकी जनता को अगर निक्सन वाली मिट्टी का राष्ट्रपति चाहिए, तो उसे ऐसे नेताओं के प्रति सावधान रहना होगा, जो धन के जोर पर अपनी छवि चमकाने या असली छवि को छिपाने की हिमाकत करते हैं। आज राजनीति की दुनिया में धन की महिमा बहुत बढ़ गई है, लेकिन धन ऊंचे पदों पर पहुंचने का पासपोर्ट न बने, तो ही लोकतंत्र की रक्षा हो सकती है। डोनाल्ड ट्रंप ने अगर अमेरिकी कानूनों के तहत गंभीर अपराध किए हैं, तो उन्हें सजा जरूर मिले।

आज का राशीफल

मेष जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

कर्क राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

कन्या व्यावसायिक योजना सफल होगी। आर्थिक दिशा में किए गए प्रयासों में सफलता मिलेगी। वाणी की सौम्यता बनाकर रखना आवश्यक है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

तुला व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आमोद-प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। विरोधियों का पराभव होगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। पड़ोसियों से अकारण विवाद हो सकता है।

मकर रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मन प्रसन्न रहेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ के विवाद में न पड़ें।

स्वास्थ्य संरक्षण और चिकित्सा जागरूकता का दिवस

(लेखक - विद्यावास्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन)

(7 अप्रैल विश्व स्वास्थ्य दिवस)

वैश्विक स्वास्थ्य के महत्व की ओर बड़ी संख्या में लोगों का ध्यान आकृष्ट करने के लिये विश्व स्वास्थ्य संगठन के नेतृत्व में हर वर्ष 7 अप्रैल को पूरे विश्व भर में लोगों के द्वारा विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है। डबल्यूएचओ के द्वारा जेनेवा में वर्ष 1948 में पहली बार विश्व स्वास्थ्य सभा रखी गयी जहाँ 7 अप्रैल को वार्षिक तौर पर विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाने के लिये फैसला किया गया था। विश्व स्वास्थ्य दिवस के रुप में वर्ष 1950 में पूरे विश्व में इसे पहली बार मनाया गया था। डबल्यूएचओ के द्वारा अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न प्रकार के खास विषय पर आधारित कार्यक्रम इसमें आयोजित होते हैं। स्वास्थ्य के मुद्दे और समस्या की ओर आम जनता की जागरुकता बढ़ाने के लिये वर्षों से मनाया जा रहा ये एक वार्षिक कार्यक्रम है। पूरे साल भर के स्वास्थ्य का ध्यान रखने के लिये और उत्सव को चलाने के लिये एक खास विषय का चुनाव किया जाता है। विश्व स्वास्थ्य दिवस वर्ष 1995 के खास विषयों में से एक था वैश्विक पोलियो उन्मूलन। तब से, इस घातक बीमारी से ज्यादातर देश मुक्त हो चुके हैं जबकि दुनिया के दूसरे देशों में इसकी जागरुकता का स्तर बढ़ा है। वैश्विक आधार पर स्वास्थ्य से जुड़े सभी मुद्दे को विश्व स्वास्थ्य दिवस लक्ष्य बनाता है जिसके लिये विभिन्न जगहों जैसे स्कूल, कॉलेजों और दूसरे भीड़ वाले जगहों पर दूसरे संबंधित स्वास्थ्य संगठनों और डबल्यूएचओ के द्वारा सालाना विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। विश्व में मुख्य स्वास्थ्य मुद्दों की ओर लोगों का ध्यान दिलाने के साथ ही विश्व स्वास्थ्य संगठन की स्थापना को स्मरण करने के लिये इसे मनाया जाता है। वैश्विक आधार पर स्वास्थ्य मुद्दों को बताने के लिये यूएन के तहत काम करने वाली डबल्यूएचओ एक बड़ी स्वास्थ्य संगठन है। विभिन्न विकसित देशों से अपने स्थापना के समय से इसने कुष्ठरोग, टीबी, पोलियो, चेचक और छोटी माता आदि सहित कई गंभीर स्वास्थ्य मुद्दे को उठाया है। एक स्वस्थ् विश्व बनाने के लक्ष्य के लिये इसने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। वैश्विक स्वास्थ्य रिपोर्ट के बारे में इसके पास सभी आँकड़े मौजूद हैं।

कैसे मनाया जाता है?

लोगों के स्वास्थ्य मुद्दे और जागरुकता संबंधित कार्यक्रम के आयोजन के द्वारा कई जगहों पर विभिन्न स्वास्थ्य संगठनों सहित सरकारी, गैर-सरकारी, एनजीओ के द्वारा विश्व स्तर पर विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है। खबर, प्रेस विज्ञप्ति आदि साधन के द्वारा मीडिया रिपोर्ट के माध्यम से अपने क्रियाकलाप और प्रोत्साहन पर भाग लेने वाले संगठन रोशनी डालते हैं। विश्व भर के स्वास्थ्य मुद्दों पर सहायता के लिये अपनी प्रतिज्ञा के साथ विभिन्न देशों से स्वास्थ्य प्राधिकारी उत्सव में भाग लेते हैं। मीडिया क्षेत्र की मौजूदगी में अपने स्वास्थ्य को दुरुस्त रखने के लिये लोगों को बढ़ावा देने के लिये स्वास्थ्य के सम्मेलन में विभिन्न प्रकार के क्रियाकलाप किये जाते हैं। विश्व स्वास्थ्य दिवस के लक्ष्य को पूरा करने के लिये विषयों से संबंधित चर्चा, कला प्रदर्शनी, निबंध लेखन, प्रतियोगिता और पुरस्कार समारोह आयोजित किये जाते हैं।

क्यों मनाया जाता है?

तंदुरुस्त रहन-सहन की आदत के प्रोत्साहन और लोगों के जीवन के लिये अच्छे स्वास्थ्य को जोड़ने के द्वारा जीवन प्रत्याशा को बढ़ाने में विश्व स्वास्थ्य दिवस ध्यान केन्द्रित करता है। एड्स और एचआईवी से मुक्त और स्वस्थ दुनिया बनाने के लिये उन्हें स्वस्थ बनाये और बचाने के लिये इस कार्यक्रम के द्वारा आज के जमाने के युवा को भी लक्ष्य बनाया जाता है।

खून चूसने वाले और रोगाणु के कारण बीमारीयों के व्यापक फैलाव से मुक्त विश्व बनाने के लिये डबल्यूएचओ के द्वारा बीमारी फैलाते वेक्टर जैसे मच्छर (मलेरिया, डेंगू बुखार, फाईलेरिया, चिकनगुनिया, पीला बुखार आदि) चिचड़ी, कीट, सैंड फ्लाईस, घोंघा आदि को भी लोगों की नजर में ला रही है। वेक्टर और यात्रीयों द्वारा एक देश से दूसरे देश में वेक्टर के जन्म से फैलने वाली बीमारी से ये उपचार और रोकथाम उपलब्ध कराती है। बिना किसी बीमारी के जीवन को बेहतर बनाने के लिये लोगों की स्वास्थ्य समस्याओं के लिये अपना खुद का प्रयास लगाने के लिये वैश्विक आधार पर डबल्यूएचओ विभिन्न स्वास्थ्य प्राधिकारीयों को मदद देता है।

इसके कुछ लक्ष्य है कि क्यों इसे वार्षिक तौर पर मनाया जाता है, यहाँ नीचे उपलब्ध है।

उच्च रक्त चाप के विभिन्न कारण और बचाव के बारे में जागरुकता को बढ़ाना।

विभिन्न बीमारीयों और उनकी जटिलताओं से बचाने के लिये पूरा ज्ञान उपलब्ध कराना।

पेशेवर से चिकित्सा का अनुसरण और उनके रक्तचाप को बार बार जाँच करने के लिये सबसे ज्यादा अतिसंवेदनशील लोगों के समूह को बढ़ावा देना।

लोगों को खुद का ध्यान रखने के लिये प्रोत्साहित करना।

अपने देश में स्वस्थ पर्यावरण को उत्पन्न करने में अपने खुद के प्रयास लगाने के लिये विश्व स्तर पर स्वास्थ्य प्राधिकारियों को प्रेरणा देना।

रोग असुरक्षित क्षेत्रों में रहने वाले परिवारों को बचाना।

यात्रा के दौरान वेक्टर से जन्म लेने वाली बीमारी से कैसे बचा जाये के बारे में यात्री को सिखाना और उनको एक संदेश भेजना।

भारत में स्वास्थ्य आंकड़े

भारत ने पिछले कुछ सालों में तेजी के साथ आर्थिक विकास किया है लेकिन इस विकास के बावजूद बड़ी संख्या में लोग कुपोषण के शिकार हैं जो भारत के स्वास्थ्य परिदृश्य के प्रति चिंता उत्पन्न करता है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार तीन वर्ष की अवस्था वाले 3.88 प्रतिशत बच्चों का विकास अपनी उम्र के हिसाब से नहीं हो सका है और 46 प्रतिशत बच्चे अपनी अवस्था की तुलना में कम वजन के हैं जबकि 79.2 प्रतिशत बच्चे एनीमिया (रक्ताल्पता) से पीड़ित हैं। गर्भवती महिलाओं में एनीमिया 50 से 58 प्रतिशत बढ़ा है।

कहा जाता है बेहतर स्वास्थ्य से आयु बढ़ती है। इस स्तर पर देखें तो बांग्लादेश भारत से आगे है। भारत में औसत आयु जहां 64.6 वर्ष मानी गई है वहीं बांग्लादेश में यह 66.9 वर्ष है। इसके अलावा भारत में कम वजन वाले बच्चों का अनुपात 43.5 प्रतिशत है और प्रजनन क्षमता की दर

2.7 प्रतिशत है। जबकि पांच वर्षों से कम अवस्था वाले बच्चों की मृत्यु दर 66 है और शिशु मृत्यु दर जन्म लेने वाले प्रति हज़ार बच्चों में 41 है। जबकि 66 प्रतिशत बच्चों को डी.पी.टी. का टीका देना पड़ता है।

इंडिया हेल्थ रिपोर्ट 2010 के मुताबिक सार्वजनिक स्वास्थ्य की सेवाएं अभी भी पूरी तरह से मुफ़्त नहीं हैं और जो हैं उनकी हालत अच्छी नहीं है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में प्रशिक्षित लोगों की काफ़ी कमी है। भारत में डॉक्टर और आबादी का अनुपात भी संतोषजनक नहीं है। 1000 लोगों पर एक डॉक्टर भी नहीं है। अस्पतालों में बिस्तर की उपलब्धता भी काफ़ी कम है। केवल 28 प्रतिशत लोग ही बेहतर साफ-सफाई का ध्यान रखते हैं।

पिछले कुछ सालों में यहां एच.आई.वी. एड्स तथा कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों का प्रभाव बढ़ा है। साथ ही डायबिटीज, हृदय रोग, क्षय रोग, मोटापा, तनाव की चपेट में भी लोग बड़ी संख्या में आ रहे हैं। महिलाओं में स्तन कैंसर, गर्भाशय कैंसर का ख़तरा बढ़ा है। ये बीमारियां बड़ी तादाद में उनकी मौत का कारण बन रही हैं।

ग्रामीण तबके में देश की अधिकतर आबादी उचित खानपान के अभाव में कुपोषण की शिकार है। महिलाओं, बच्चों में कुपोषण का स्तर अधिक देखा गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार प्रति 10 में से सात बच्चे एनीमिया से पीड़ित हैं। वहीं, महिलाओं की 36 प्रतिशत आबादी कुपोषण की शिकार है।

यह दिवस स्वास्थ्य संरक्षण और चिकित्सा के जागरूकता के लिए मनाया जाता हैं।

भाषा और गणित में कमजोर हो रहे बच्चे

चेतनादित्य आलोक

मानव जीवन में शिक्षा का बड़ा महत्व होता है। दरअसल, बेहतर व्यक्तियों के निर्माण तथा उज्वल करिअर के लिए सर्वथा उचित शिक्षा की आवश्यकता होती है। वैसे आजादी के बाद से ही हमारी शिक्षा प्रणाली में कई बदलाव किये गये, लेकिन हाल ही में एक सर्वे से प्राप्त आंकड़ों एवं जानकारियों से पता चलता है कि उद्देश्यगत बेहतरी के लिए शिक्षा के क्षेत्र में अब तक किये गये तमाम प्रयास अपर्याप्त रहे हैं। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् यानी एनसीईआरटी तथा भारत सरकार के स्कूली शिक्षा मंत्रालय के संयुक्त तत्वावधान में एक सर्वे किया गया। आंकड़ों के अनुसार देशभर में कक्षा तीन के बच्चे विशेष रूप से गणित, अंग्रेजी एवं हिंदी में औसत से भी कमजोर साबित हुए हैं, जो कि देश के भविष्य के लिए अत्यंत ही चिंताजनक बात है। फाउंडेशन लिटरेसी सर्वे (एफएलएस) शीर्षक के अंतर्गत कराये गये उक्त सर्वे की रिपोर्ट बताती है कि देशभर के विद्यालयों में कक्षा तीन में पढ़ने वाले मात्र 54 प्रतिशत बच्चे ही अंग्रेजी में निपुण हैं, लेकिन दुःख की बात तो यह है कि महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन के इस देश में गणित जैसे रोचक और महत्वपूर्ण विषय में देश के मात्र 52 प्रतिशत बच्चे ही निपुण हैं। वहीं इस सर्वे में देश के शिक्षा जगत का सर्वाधिक दुर्भाग्यपूर्ण और स्याह सच जो उजागर हुआ है, वह यह कि हमारी राष्ट्रभाषा हिंदी में राष्ट्रीय औसत में मात्र 46 प्रतिशत बच्चे ही देशभर में निपुण पाये गये। केंद्र सरकार के शिक्षा मंत्रालय के तत्वावधान में 'नेशनल इनीशिएटिव फॉर प्रोफिशिएंसी इन रीडिंग विद अंडरस्टैंडिंग एण्ड न्यूमैरेसी' यानी 'निपुण भारत 2021' नामक उक्त सर्वे कराया गया, जिसका उद्देश्य गणित तथा भाषा यानी अंग्रेजी और हिंदी विषयों में मेधा और क्षमता के आधार पर बच्चों की वर्तमान स्थिति का पता लगाना था। दरअसल, मोदी सरकार ने 2026-27 तक देशभर में कक्षा तीन के बच्चों को भाषा एवं गणित विषयों में बुनियादी रूप से मजबूत बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। जिसके लिए मार्च, 2022 के दौरान देशभर के सभी राज्यों में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की ओर से आयोजित उक्त सर्वे में 10 हजार विद्यालयों के कक्षा तीन में पढ़ाई करने वाले कुल 86 हजार बच्चों को शामिल किया गया था। उक्त सर्वे के अनुसार हिंदी विषय में बिहार और उत्तर प्रदेश के केवल 45 प्रतिशत बच्चे, जबकि दिल्ली के 50 प्रतिशत और पश्चिम बंगाल के 75 प्रतिशत बच्चे पढ़ने-बोलने में निपुण पाये गये। वहीं अंग्रेजी भाषा में उत्तराखंड के सर्वाधिक 77 प्रतिशत बच्चे निपुण पाये गये, जबकि बिहार के 74 प्रतिशत, पश्चिम बंगाल के 71, दिल्ली के 66 प्रतिशत बच्चे एवं केरल के 62 प्रतिशत बच्चे इस भाषा में निपुण थे। गौरतलब है कि अंग्रेजी में राष्ट्रीय औसत 54 प्रतिशत है। सर्वे में गणित के क्षेत्र में प्राप्त परिणाम के अनुसार सर्वाधिक पश्चिम बंगाल के 70 प्रतिशत बच्चे संख्याओं को पहचानने के अतिरिक्त जोड़, घटाव, गुणा और भाग में भी निपुण पाये गये, जबकि गणित विषय के राष्ट्रीय औसत 52 प्रतिशत की तुलना में दूसरे स्थान पर बिहार के 66 प्रतिशत बच्चे, तीसरे स्थान पर उत्तर प्रदेश के 62, चौथे स्थान पर उत्तराखंड के 59, पांचवें स्थान पर तमिलनाडु के 56 प्रतिशत बच्चे रहे। वहीं गणित विषय में देशभर में छठे स्थान पर केरल के 55 और सातवें स्थान पर दिल्ली के महज 45 प्रतिशत विद्यार्थी ही निपुण पाये गये। इसी प्रकार महाराष्ट्र में गणित विषय के प्रश्नों को हल करने में 52 प्रतिशत, अंग्रेजी में 56, मराठी में 57 और हिंदी पढ़ने-बोलने में महज 37 प्रतिशत बच्चों ने

अपनी निपुणता साबित की, जबकि गोवा के 53 प्रतिशत बच्चे अंग्रेजी में, 40 प्रतिशत मराठी और 35 प्रतिशत बच्चे गणित में निपुण पाये गये। भाषा और गणित के क्षेत्र में बच्चों की ये स्थिति देख-जानकर देश के भविष्य को लेकर चिंता होना स्वाभाविक है। वैसे गौर से देखा जाये तो हिंदी समेत अन्य भारतीय भाषाओं एवं शिक्षा के प्रति अब तक बरती गयीं लापरवाहियां, उपेक्षा के भाव, अज्ञानता एवं संकल्प का अभाव आदि इस समस्या के मूल कारण रहे हैं। दरअसल, हमारे बच्चों की शिक्षा-दीक्षा उनकी अपनी मातृभाषा में नहीं होने के कारण हमारे बच्चे गणित समेत अन्य तमाम विषयों में भी लगातार पिछड़ते चले जाते हैं, जबकि शिक्षा के क्षेत्र में विकास एवं नवाचार की बातें हम दशकों से सुनते आ रहे हैं। ऐसे ही राष्ट्रभाषा हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाओं के उन्नयन तथा उनको अपेक्षित स्थान और सम्मान देने-दिलाने के नाम पर देशभर में प्रायः प्रत्येक वर्ष तरह-तरह के कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। पर हम विद्यालयों के लिए हिंदी तथा गणित के अच्छे शिक्षक नहीं तैयार कर पाये, जबकि महज सौ लाख की आबादी वाले देश स्वीडन और इसके ही जैसे नौर्वे, डेनमार्क एवं फिनलैंड आदि देशों में सारी शिक्षा उन देशों की अपनी ही भाषाओं में देने की व्यवस्था है। बहरहाल, केंद्र की मोदी सरकार शिक्षा के क्षेत्र में बड़े सुधारों के माध्यम से बच्चों को भाषा एवं गणित विषयों में बुनियादी रूप से मजबूत बनाने का जो लक्ष्य लेकर चल रही है, वह एक सराहनीय कदम है।

विचार मंथन

बिना चर्चा संसद सत्र की समाप्ति

(लेखक - सनत जैन)

संसद का बजट सत्र बिना चर्चा के समाप्त हो गया। अडानी का भूत दोनों सदनों में छाया रहा। पक्ष और विपक्ष दोनों अपनी अपनी बातों पर अड़े रहे। सरकार ने भी अपनी तरफ से विपक्ष से बात करने की कोई पहल नहीं की। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में समन्वय बनाने की कोशिश लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति ने भी की हो, ऐसा दिखता नहीं है। सत्ता पक्ष ने राहुल गांधी से माफी मांगने की बात कहकर सदन को नहीं चलने दिया। वहीं विपक्ष ने हिंडन बर्ग की रिपोर्ट और अडानी मामले में जेपीसी गठन करने की मांग को लेकर सदन को नहीं चलने दिया। आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने पर स्वतंत्रता का अमृत काल मनाया जा रहा है। इस अमृत काल में सरकार ने सदन को चलाने में स्वयं व्यवधान पैदा किया। सत्ता पक्ष का यह रूप पहली बार देखने को मिला। लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति निर्वाचन के बाद सभी निर्वाचित प्रतिनिधियों के संरक्षक होते हैं। पक्ष और विपक्ष दोनों उनके लिए समान अधिकारिता रखते हैं। सदन की 75 साल पुरानी परंपराएं भी हैं। विपक्ष हमेशा अल्पमत में होता है। सत्ता पक्ष के पास बहुमत होता है। सत्ता पक्ष की सदन चलाने की जिम्मेदारी मानी जाती है। विपक्ष हमेशा अल्पमत में होता है। इसलिए उसे संरक्षण की जरूरत होती है। जब सदन के अंदर ऐसी स्थिति बनती है। तब सरकार की ओर से संसदीय कार्य मंत्री विपक्ष के साथ चर्चा करते हैं। दोनों ही पक्ष एक दूसरे से बात करने तैयार ना हो, ऐसी स्थिति में अध्यक्ष की भूमिका बड़ी महत्वपूर्ण हो जाती है। आसंदी पक्ष और विपक्ष को बुलाकर बीच का रास्ता निकालती है। सरकार को सहमत कराने का काम भी अध्यक्ष को करना होता है। बहरहाल यह सत्र बिना किसी चर्चा की समाप्त हो गया। सरकार ने बिना चर्चा के बजट पास करा लिया। बिना चर्चा के बहुत सारे अध्यादेश और कानून भी पास हो गए। सरकार ने अपने काम किसी भी तरीके से सदन मे करा लिए, सरकार का कानूनी पक्ष पूरा हो गया,लेकिन सदन और लोकतंत्र की जो मर्यादायें थी। वह पूरी तरह से टूट गई हैं। बिना चर्चा के यह जो कार्यवाही हुई हैं। उन्हें कहीं से भी सही नहीं ठहराया जा सकता है। आसंदी सत्ता पक्ष के दबाव में बनी रही,गतिरोध नहीं टूट पाने से आसंदी के प्रति पक्ष और विपक्ष का जो विश्वास होता था। वह भी इस सत्र में टूट गया। संसद के अंदर कम, संसद के बाहर जाकर विपक्ष ने अपनी लड़ाई लड़ी। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ही सदन के बाहर जिस तरह से एक दूसरे के सामने धरना प्रदर्शन और आयोजन कर रहे हैं। वह शक्ति प्रदर्शन धीरे-धीरे गैंगवार के रूप में परिणित होता जा रहा है। इससे लोकतंत्र, संविधान और सदन की मर्यादा खत्म होती नजर आ रही है। अब तो लोग चर्चाओं में यह भी कहने लगे हैं, पढ़े लिखे और गुंडों के बीच में अंतर कर पाना मुश्किल हो रहा है। सदन के अंदर जब पक्ष और विपक्ष बात करने के लिए तैयार नहीं है। ऐसी स्थिति में क्या अब सड़क पर आकर फैसला करेंगे। इसकी भी लोगों के बीच में चर्चाएं होने लगी हैं। मीडिया में भी जिस तरह से सत्ता पक्ष को प्रमुखता मिल रही है। विपक्ष और बुनियादी मुद्दे मीडिया से गायब होते जा रहे हैं। उसकी कसक अब जनता के बीच में भी महसूस की जाने लगी है। अब सोशल मीडिया और गोदी मीडिया की बातें होने लगी हैं। जिस तरह से रोजमर्रा के सामान में मूल्य वृद्धि हो रही है। आम जनता काजीवन दुश्वार होता जा रहा है। मीडिया और सत्ता से आम जनता के सरोकार दूर होते जा रहे हैं। उसका असर अभी जनता के बीच में आपस की बातचीत के रूप में दिखने लगा है। पीड़ित पक्ष अभी विरोध प्रदर्शन के रूप में सरकार का ध्यान आकर्षित करने की कोशिश करता है। लेकिन उनका कोई निराकरण नहीं हो पाने से, अब जनता में भी निराशा और गुस्सा दोनों ही देखने को मिल रहा है। जिसे वर्तमान संदर्भ में बेहतर नहीं कहा जा सकता है। यह सत्तापक्ष की। असंवेदन शीलता को दर्शाता है। विपक्ष का हमेशा से काम रहा है,कि वह सरकार के वह मुद्दे जो जनता की राय से जुड़े होते हैं। उन्हें सामने लाकर जनता की राय सदन में लाये। सत्तापक्ष,जनता के आंदोलनों प्रदर्शन के प्रति संवेदनशील ना हो, तो यह स्थिति देश हित में नहीं हो सकती है। सत्ता पक्ष ने यह मान लिया है, कि यदि वह चुनाव जीत रहे हैं। तो वह जो कुछ कर रहे हैं,वह सही है। फिर नियम कायदे कानून की कोई जरूरत नहीं है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अंतर्राष्ट्रीय वित्त निगम ने की नई कोयला परियोजनाओं की फंडिंग बंद करने की घोषणा

नई दिल्ली

विश्व बैंक की निजी क्षेत्र की शाखा, अंतर्राष्ट्रीय वित्त निगम (आईएफसी) ने साफ कर दिया है कि वह नई कोयला परियोजनाओं में निवेश का समर्थन नहीं करेगी। आईएफसी बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों को धन देता है जो बदले में बुनियादी ढांचे और ऊर्जा परियोजनाओं को उधार देते हैं। आईएफसी ने कथित तौर पर भारत में लगभग 88 वित्तीय संस्थानों को करीब 5 बिलियन डॉलर का कर्ज दिया है। अपनी वेबसाइट पर जारी एक बयान में आईएफसी ने साफ़ किया है कि, इस वर्ष (2023) आईएफसी, पेरिस समझौते की महत्वाकांक्षाओं के साथ संरेखण की दिशा में अगला कदम उठा रहा है। जिसके तहत आईएफसी को वित्तीय संस्थान के ग्राहकों से किसी भी नई कोयला परियोजनाओं की शुरुआत और वित्तपोषण नहीं करने की प्रतिबद्धता की आवश्यकता होगी।

साल 2020 में, आईएफसी ने एक नीति का अनावरण किया था, जिसमें उसने अपने ग्राहकों को 2025 तक कोयला परियोजनाओं में अपना एक्स्पोज़र कम करने और 2030 तक शून्य करने की बात आवश्यकता थी। उस नीति में नए निवेश को रोकने कि बात नहीं थी, लेकिन इस नयी घोषणा से अब स्थिति बदल गयी है। आईएफसी की यह घोषणा जलवायु परिवर्तन के खतरों से घिरी चिंताओं के बीच दुनिया के लिए कुछ राहत की खबर लायी है। आईएफ़सी की ग्रीन इक्विटी एप्रोच (जीईए) नीति का एक नया अपडेट अपने फ़ाइनेंशियल इंटरमीडिएट्रीज़ क्लाइंटस (जैसे कमर्शियल/वाणिज्यिक बैंकों) को साफ़ तौर से कोयले में निवेश से रोकता है और कहता है कि आईएफसी निवेश से किसी भी नयी कोयला परियोजना का समर्थन नहीं किया जा सकेगा। पिछली जीईए नीति में ख़ामियों की वजह से आईएफसी द्वारा वित्त पोषित वाणिज्यिक बैंक उससे लिए धन को नई कोयले परियोजनाओं को परवान चढ़ाने में खर्च करने से नहीं हिचकते थे।

इसके चलते आईएफसी के सबसे पहले जीईए क्लाइंट, इंडोनेशिया में हाना बैंक, ने जीईए पर हस्ताक्षर करने के ठीक एक साल बाद दो बड़े नए कोयला संयंत्रों में निवेश किया। और पिछले साल, आईएफसी के क्लाइंट पीवीआई होल्डिंग्स ने वियतनाम में वूंग आंग कोयला बिजली संयंत्र का रास्ता प्रशस्त किया।

यह क़दम एक लंबे वक़्त से अपेक्षित था और आईएफ़सी को अब तेल और गैस के निवेशों पर भी लगाम कसने की उम्मीद की जा रही है। ध्यान रहे वित्तीय मध्यवर्ती बैंक, आईएफ़सी के आधे से अधिक निवेश का प्रतिनिधित्व करते हैं और मई 2019 से आईएफ़सी द्वारा समर्थन के रूप में यह लगभग 40 बिलियन प्राप्त कर चुके हैं। इससे पहले, 2021 में फेडरल बैंक ऑफ इंडिया ने आईएफ़सी के ग्रीन इक्विटी अप्रोच (दृष्टिकोण) पर हस्ताक्षर किए थे। आईएफ़सी के प्रोजेक्ट दस्तावेज़ के अनुसार -÷फेडरल बैंक, आईएफसी के बैंक में शेयरधारक बनने के बाद से कोयले से चलने वाले बिजली संयंत्रों सहित किसी भी नए कोयले से संबंधित परियोजना में निवेश को समाप्त करेगा।

सेंटर फॉर फाइनेंशियल एकाउंटेबिलिटी के जो अथियाली ने कहा, हमने 2011 में भारत में कोयले का समर्थन करने वाले एक वित्तीय मध्यस्थ क्लाइंट को आईएफसी के समर्थन पर अब तक का पहला मामला दायर किया। ÷आईएफसी को अंततः नए कोयले के लिए समर्थन समाप्त करने में 13 साल लग गए। इस बीच, समुदाय बिखर गए, उनकी आजीविका छिन गई, और जलवायु संकट और गंभीर हो गया, इन सभी के लिए कोई भी जिम्मेदार नहीं था, और भी बहुत कुछ। हम केवल यह उम्मीद कर सकते हैं कि तेल और गैस के वित्तपोषण को रोकने के लिए यह तेजी से आगे बढ़ेगा।

रुपया बढ़त के साथ बंद

नई दिल्ली । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को रुपया सात पैसे की बढ़त के साथ ही 81.88 पर बंद हुआ। वहीं अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सबह रुपया शुरुआती कारोबार में 5 पैसे नीचे आकर 81.95 पर खुला जबकि अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में ये गिरावट रही। वहीं इससे पहले अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया बुधवार को 42 पैसे उछलकर 81.90 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी मुद्रा की मजबूती को बताने वाला डॉलर सूचकांक 0.16 फीसदी बढ़कर 102.01 पर पहुंच गया।

वे-कूल फूड्स का वर्ष 2024-25 तक 6,000 करोड़ की इकाई बनने का लक्ष्य

मुंबई । आईएफसी समर्थित वे-कूल फूड्स का अपने तेजी से बढ़ते खाद्य उत्पाद कारोबार के चलते वित्त वर्ष 2024-25 तक 6,000 करोड़ रुपये की इकाई बनने का लक्ष्य है। वे-कूल कृषि वाणिज्य स्टार्टअप कंपनी है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी का राजस्व 2,000 करोड़ रुपये रहा है। वाहन उद्योग के दिग्गज कार्तिक जयरामन और अशोक लेलैंड के पूर्व प्रमुख विनोद दसारी के पुत्र संजय दसारी ने वर्ष 2015 में चेन्नई में वे-कूल की स्थापना की थी। इसकी स्थापना एक सामाजिक उद्यम और कृषि-तकनीक कंपनी के रूप में की गई थी। बाद में यह विभिन्न ब्रांड मसलन मधुरम, डेजी फ्रेश, लेक्सोटिक, किचनजी और फ्रेशी के साथ कई कृषि उत्पाद और रेडी-टू-कुक बाजार में भी उतर गई। इन ब्रांड का पिछले वित्त वर्ष (2022-23) में कंपनी के 2,000 करोड़ रुपये के राजस्व में लगभग 25 प्रतिशत तक का योगदान रहा। यह इससे पिछले वित्त वर्ष में 10 प्रतिशत था। वे-कूल के सह-संस्थापक और प्रबंध निदेशक जयरामन को वित्त वर्ष 2024-25 तक इसके 35-40 प्रतिशत तक बढ़ने की उम्मीद है। कंपनी का 6,000 करोड़ रुपये के कारोबार वाली इकाई बनने का लक्ष्य है। इसमें से 25 प्रतिशत ब्रांडेड उत्पादों और तीसरे पक्ष वितरण शुल्क (रोजमर्रा के इस्तेमाल में आने वाले उत्पादों वाली कंपनियों.. एचयूएल, आईटीसी और नेस्ले तथा अन्य) से आया है।''

एसबीआई ने बढ़ाई वीकेयर स्कीम की तिथि, अब 30 जून तक कर सकते हैं एफडी

5 से 10 साल की एफडी पर मिल रहा 7.50 फीसदी ब्याज

नई दिल्ली । देश के सबसे बड़े बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने एक बार फिर वरिष्ठ नागरिकों के लिए चल रही अपनी स्पेशल एफडी स्कीम की अंतिम तारीख को आगे बढ़ा दिया है। वीकेयर स्कीम में निवेश की तारीख को 3 महीने बढ़ाकर 30 जून, 2023 कर दिया गया है। इस स्कीम में वरिष्ठ नागरिकों को ज्यादा ब्याज मिलेगा। इससे पहले ये स्कीम 31 मार्च को खत्म हो रही थी। एसबीआई वीकेयर वरिष्ठ नागरिकों के लिए एफडी प्रोग्राम है, इसे मई 2020 में शुरू की गई थी। बैंक ने इस एफडी स्कीम को बार-बार बढ़ाया गया है और अब बैंक ने एक बार फिर डेडलाइन बढ़ा दिया है। एसबीआई की वेबसाइट के अनुसार वरिष्ठ नागरिकों को 0.50 फीसदी का एक्स्ट्रा ब्याज मिलेगा। योजना के तहत 5 साल से 10 साल की एफडी पर 7.50 फीसदी का ब्याज मिल रहा है। इस स्कीम में नेटबैंकिंग या योनो ऐप का इस्तेमाल करके या ब्रांच जाकर एफडी बुक कर सकते हैं। इसका ब्याज हर महीने, तिमाही, छमाही या सालाना मिल सकता है। बाद में एफडी पर ब्याज टीडीएस काटकर मिल जाएगा। उल्लेखनीय है कि आरबीआई के रेपो रेट बढ़ाने के बाद अधिकतर बैंकों ने एफडी पर ब्याज बढ़ाया है। बीते साल मई 2022 से लेकर अब तक आरबीआई रेपो रेट में 2.50 फीसदी की बढ़ोतरी कर चुका है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई ।

शेयर बाजार गुरुवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 143.66 अंक करीब 0.24 फीसदी बढ़कर 59,832.97 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान ये 59,950.06 के उच्च स्तर के साथ ही 59,520.12 के निचले स्तर तक आया। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) निफ्टी 42.10 अंक तकरीबन 0.24 फीसदी उछाल के बाद 17,599.15 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 17,638.70 के उच्च स्तर और 17,502.85 के निचले स्तर तक गया। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के शेयरों में से 17 शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। इसमें बजाज फाइनैंस, टाटा मोटर्स, बजाज फिनसर्व, इंडसइंड बैंक और सन फार्मा सेंसेक्स के सबसे ज्यादा लाभ वाले पांच शेयर रहे। बजाज फाइनैंस का शेयर करीब 2.95 फीसदी तक उछला। वहीं सेंसेक्स के 13 शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। एचसीएल टेक्नोलॉजीज, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, टेक महिंद्रा और टाइटन सेंसेक्स के शेयर सबसे अधिक नुकसान में रहे। एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शेयर करीब 1.73 फीसदी तक नीचे आये। इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट पर खुला पर समय के साथ ही इसमें लिवाली (खरीदारी) हावी होने से तेजी आने लगी और फिर ये सिलसिला दिन-भर जारी रहा।

फल-सब्जियों के दामों पर हो रहा बेमौसम बरसात का असर, फसलें हो गई खराब

नई दिल्ली।

बेमौसम बारिश का असर अब सब्जियों और फलों के दामों में बढ़ोतरी के तौर पर देखने को मिल रहा है। इस बारिश से एक ओर जहां खेतों में फसलें खराब हो रही हैं वहीं खलिहान में रखा अनाज भी भीग रहा है। कुछ लोग भले ही बारिश में बैठकर पकौड़े खाने का मन बना रहे हो, लेकिन इस बारिश ने आपकी जेब पर बोझ बढ़ा दिया है। समय से पहले हो रही बारिश ने फसलों को बर्बाद कर दिया है। फल सब्जियों के रेट को बढ़े ही है, लेकिन बारिश लंबे वक्त तक आपको महंगाई से झुलसाएगा। किसान इस बारिश से परेशान हैं। खेतों में लदी फसलें बर्बाद हो गई है, जाहिर सी बात है कि इसका असर अनाज की कीमतों पर भी पड़ेगा। अभी होने वाली बारिश भले ही आपको गर्मी से राहत दे रही है, ले किन आगे के लि वो आपकी जेब में आग लगाने का काम कर रही है। इससे फल से ब्जियों के दाम बेतहाशा बढ़ रहे हैं।

गौरतलब है कि फरवरी में अचानक तापमान बढ़ गया था, जिससे काफी नुकसान उठाना पड़ा था। इसके बाद मार्च और अप्रैल में हो रही बारिश भले ही लोगों को गर्मी से राहत दे रही है, लेकिन ये बारिश किसानों के लिए आफत बन गई है। खासतौर पर उत्तर भारत के किसानों को बड़ी मार पड़ी है। बारिश के कारण उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, बिहार जैसे राज्यों में फसलों को भारी नुकसान हो रहा है। फसलें खेतों में बिछ गई है। बारिश और ओलावृष्टि के कारण आम, केवा, आलू , मौसमी फलों और सब्जियों को भारी नुकसान हुआ है। गेंहू, सरसों, चना, मटर, मसूर, अरहर जैसी दलहनी और तिलहनी फसलों को बड़ा नुकसान हुआ है। यानी आने वाले दिनों में केवल फल और सब्जी ही नहीं दाल, तेल, आटे की कीमतें भी बढ़ने वाली है। जिससे और भी परेशानी होगी। सब्जी मंडी की रेट लिस्ट पर गौर करें तो बेमौसम बरसात ने फल और सब्जियों की कीमतों में आग लगा दी है। बारिश से पहले टमाटर 20 रुपये प्रति किलो बिक रहा था जो अब 30 से 40 रुपये प्रति किलो हो गया। अदरक और नींबू का भाव 80 से 100 रुपये प्रतिकिलो जो अब बढ़कर 160 रुपये पर पहुंच गया है। हरी मिर्ची 80 रुपये प्रति किलो से बढ़कर 100-120 रुपये प्रति किलो बिक रही है। सेब के दाम 80 से 100 रुपये चल रहे थे, अब बढ़कर 140 से 160 रुपये प्रति किलो हो गए हैं।

बैलेंस कम है तो एटीएम से न रुपये निकलेंगे, उल्टे दस रुपये कटेंगे

नई दिल्ली।

अब यदि आपके एकाउंट में बैलेंस कम है और आपने एटीएम से रुपये निकालने की को शिश की तो न पैसे निकलेंगे और उल्टे आपके उकाउंट से दस रुपये कट जाएंगे। पब्लिक सेक्टर के पंजाब नेशनल बैंक के ग्राहकों को बड़ा झटका लगा है. पीएनबी 1 मई से नया नियम लेकर आ रहा है। अगर आपके अकाउंट में पर्याप्त पैसा नहीं है और फिर भी एटीएम से निकासी करते हैं तो चार्ज देना होगा। बैंक की तरफ से ग्राहकों को मैसेज भेजकर इस बारे में जानकारी दी गई है। इसके अलावा बैंक की वेबसाइट पर इसकी जानकारी दी गई है। पीएनबी वेबसाइट पर दी गई सूचना के मुताबिक, आपके खाते में अपर्याप्त फंड के कारण फेल डोमेस्टिक एटीएम कैश विड्रॉल ट्रांजैक्शन पर 10+जीएसटी देना होगा। हालांकि, यह फेल ट्रांजैक्शन अपर्याप्त बैलेंस के कारण होना चाहिए। अगर किसी और कारण से ट्रांजैक्शन फेल होता है और अकाउंट में पर्याप्त बैलेंस है तो कोई चार्ज नहीं कटेगा। बैंक यह नियम 1 मई 2023 से लागू करेगा। पंजाब नेशनल बैंक की गाइडलाइन के मुताबिक, अगर कोई ट्रांजैक्शन फेल होता है और इसकी शिकायत की जाती है तो शिकायत करने के 7 दिनों के भीतर इस समस्या का निवारण किया जाएगा। अगर फेल ट्रांजैक्शन की सूचना ट्रांजैक्शन की तारीख के 30 दिनों के भीतर दी जाती है और उसमें देरी होती है तो ग्राहक को रोजाना 100 रुपये का मुआवजा मिलेगा। फेल ट्रांजैक्शन संबंधी किसी तरह की शिकायत कस्टमर रिलेशनशिप नंबर पर की जा सकती है। गौरतलब है कि पीएनबी डेबिट कार्ड और प्रीपेड कार्ड जारी करने के फीस और सालाना मेंटेनेंस चार्ज को बदलने की प्रक्रिया में है। अगर आप शॉपिंग करते समय पीओएस और डेबिट कार्ड के माध्यम से पेमेंट करते हैं और अकाउंट में बैलेंस नहीं है और ट्रांजैक्शन फेल हो जाता है। इस स्थिति में भी बैंक ई-कॉमर्स लेनदेन पर जुर्माना लगाने की भी योजना बना रहा है।

ओतानी बने होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया के अध्यक्ष, सीईओ व एमडी

कंपनी ने शीर्ष प्रबंधन में किया बदलाव

नई दिल्ली ।

जापान की होंडा मोटर कंपनी लिमिटेड ने बुधवार को अपनी भारतीय दोपहिया इकाई के शीर्ष प्रबंधन में बदलाव की घोषणा की। इसके तहत कंपनी ने त्सुत्सुमु ओतानी को होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया का अध्यक्ष, सीईओ और प्रबंध निदेशक नियुक्त किया है। कंपनी ने बयान में कहा कि ओटानी होंडा मोटर कंपनी जापान में उपाध्यक्ष भी हैं। वह अत्सुशी ओगाता की जगह लेंगे। ओतानी को 2022 में शंघाई इकाई होंडा मोटर (चीन) निवेश कंपनी लिमिटेड में कार्यकारी महाप्रबंधक नियुक्त किया गया था। उन्होंने 1997 में होंडा जापान के साथ अपना करियर शुरू किया और विभिन्न वैश्विक बाजारों में कंपनी के कई अग्रणी पदों पर रहे। कंपनी ने विनय ढींगरा की पदोन्नति की भी घोषणा की। उन्हें वरिष्ठ निदेशक (मानव संसाधन और प्रशासन, कॉरपोरेट मामले एवं सूचना प्रौद्योगिकी और होंडा इंडिया फाउंडेशन) बनाया गया है। इसके अलावा पूर्व परिचालन अधिकारी (बिक्री और विपणन) योगेश माथुर, पूर्व परिचालन अधिकारी (नए मॉडल खरीद एवं कलपुर्जा रणनीति) संजीव जैन को होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) के निदेशक मंडल में शामिल किया गया है।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने डिजिटलीकरण सुविधा को लेकर भारत की तारीफ की

मुंबई ।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने डिजिटलीकरण सुविधा को लेकर भारतीय कार्यप्रणाली की तारीफ की है। आईएमएफ ने अपने वर्किंग पेपर में दावा किया है कि भारत ने अपने सतत विकास लक्ष्यों का समर्थन करने के लिए एक विश्वस्तरीय डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा (डीपीआई) विकसित किया है, जो उन देशों के लिए सबक हैं, जो डिजिटल बदलाव की शुरुआत कर रहे हैं। आईएमएफ की रिपोर्ट के अनुसार डिजिटलीकरण ने भारतीय अर्थव्यवस्था को औपचारिक बनाने में मदद की है और आधार ने लीकेज को कम करते हुए लाभार्थियों को भुगतान के प्रत्यक्ष हस्तांतरण (डायरेक्ट ट्रांसफर) में मदद की है। आईएमएफ ने नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा शुरू की गई प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई) की सराहना की और कहा कि मजबूत नीतियों से प्रतिस्पर्धी, खुला और किफायती दूरसंचार बाजार बना और मोबाइल डेटा की लागत में 90 फीसदी की कमी से डाटा के इस्तेमाल में उछाल आया। नोटबंदी से यूपीआई सहित भुगतान के अन्य तरीकों का अधिक इस्तेमाल हुआ। इसमें कहा गया है कि आधार ने भुगतान के हस्तांतरण करने, लीकेज को कम करने, भ्रष्टाचार को रोकने और कवरेज बढ़ाने के लिए घरों तक प्रभावी ढंग से पहुंचने के लिए एक उपकरण के रूप में मदद की। भारत सरकार का अनुमान है कि मार्च 2021 तक डिजिटल बुनियादी ढांचे और अन्य शासन सुधारों के कारण व्यय में जीडीपी का लगभग 1.1 फीसदी बचाया गया था। इसमें कहा गया है कि इस डिजिटल बुनियादी ढांचे का उपयोग करके भारत महामारी के दौरान गरीब परिवारों के एक प्रभावशाली हिस्से को जल्दी से सहायता प्रदान करने में सक्षम था। आईएमएफ के पेपर में कहा गया है कि इस डिजिटल बुनियादी ढांचे का उपयोग करते हुए भारत कोरोना महामारी के दौरान गरीब परिवारों के एक बड़े हिस्से को जल्दी से सहायता प्रदान करने में सक्षम था। डिजिटलीकरण से भारत को अपनी वैक्सीन डिलीवरी को जल्दी से बढ़ाने और बड़े पैमाने पर आंतरिक प्रवास जैसी चुनौतियों को दूर करने में मदद मिली। कोविन में अंतर्निहित तकनीक को इंडोनेशिया, फिलीपींस, श्रीलंका और जमैका में उनके टीकाकरण कार्यक्रमों को सुविधाजनक बनाने में मदद करने के लिए तैनात किया गया है।

इंटेल कोर आई3-एन305 प्रोसेसर वाला नया लैपटॉप लॉन्च

-ऑनलाइन और ऑफलाइन स्टोर्स पर खरीदने के लिए होगा उपलब्ध

नई दिल्ली ।

भारत में ताइवान की इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी एसर ने इंटेल कोर आई3-एन305 प्रोसेसर वाला नया लैपटॉप लॉन्च किया। नया लैपटॉप एस्पायर 3 कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट, ऑनलाइन और ऑफलाइन स्टोर्स पर खरीदने के लिए उपलब्ध होगा। जानकारी के मुताबिक नई एस्पायर 3 1.7 किलोग्राम और 18.9 मिमी मोटाई के साथ पहले से लाइटर और थिनर है। फेन के सरफेस एरिया में 78 प्रतिशत की वृद्धि के साथ, लैपटॉप एन्हेंस्ड थर्मल सिस्टम प्रदर्शन और 17 प्रतिशत थर्मल क्षमता प्रदान करता है, जो चरम प्रदर्शन को बनाए रखने में योगदान देता है और ओवरहीटिंग से बचाता है, जिससे उपयोगकर्ता अधिक कार्य पूरा कर सकते हैं।

इसके अलावा, नया एसर लैपटॉप फुल-फंक्शन्ड यूएसबी टाइप-सी पोर्ट, यूएसबी टाइप सी (फुल फंक्शन), टाइप ए यूएसबी 3.2 जेनरेशन 1 और एचडीएमआई 2.1 के साथ आता है, जो उत्पादकता और कार्यक्षमता बढ़ाता है। कंपनी ने कहा कि अपने मूल प्रदर्शन के साथ, यह लैपटॉप 8 जीबी रैम के साथ आता है और 11 घंटे तक की बैटरी लाइफ से लैस है। इसके अलावा, ऑल-न्यू एस्पायर 3 ब्लूलाइटशील्ड तकनीक के साथ आता है जो उपयोगकर्ताओं के लिए हानिकारक लाइट जोखिम को कम करता है।लैपटॉप में 14 या 15.6 इंच के फुल एचडी डिस्प्ले के साथ एसर प्यूरीफाइड वॉयस और एआई नॉइज रिडक्शन ऑडियो सिस्टम है, जो पर्यावरणीय परिवेश साउंड कम्पोनेंट्स का प्रभावी ढंग से विश्लेषण करता है और स्वचालित रूप से सबसे प्रभावी नॉइज कैंसलिंग मोड का चयन करता है।

हुंडई मोटर ने बढाई गाड़ियों की कीमत

-खरीदने वालों की होगी ज्यादा जेब ढीली

नई दिल्ली ।

कोरियाई कंपनी हुंडई मोटर ने जिन गाड़ियों की कीमत में बढ़ोतरी की है, उसमें क्रेटा, वेन्यू, अल्काजार और टूसॉन एसयूवी जैसे कई पॉपुलर मॉडल शामिल हैं। हुंडई मोटर ने वरना और ग्रैंड आई10 निओस की कीमत में कोई इजाफा नहीं किया है, क्योंकि इन्हें कुछ ही दिन पहले नए मॉडल और नई कीमत के साथ लॉन्च किया गया है। इस महीने हुंडई मोटर्स कारों की कीमत बढ़ाने वाली मारुति सुजुकी के बाद दूसरी कंपनी है।

संभावना है कि अब अन्य कंपनियां भी जल्द ही कीमत बढ़ोतरी का ऐलान कर सकती हैं। ऑटो कंपनियां कीमत में बढ़ोतरी इसलिए कर रही हैं, क्योंकि प्रदूषण कंट्रोल करने के लिए देश में 1 अप्रैल से भ्स्6 फेज-2 नए उत्सर्जन नियम लागू हो चुके हैं। नए नियमों के हिसाब से कारों के इंजन को अपडेट करना जरूरी हो गया है, जिससे कंपनियों की लागत में बढ़ोतरी हुई है। हुंडई की सबसे पॉपुलर मिड साइज एसयूवी क्रेटा के बात करें तो इसके एक्जीक्यूटिव वेरिएंट को छोड़कर सभी डीजल मॉडलों पर 7,000 रुपये बढ़ गए हैं। क्रेटा डीजल की कीमत अब 11.96 लाख रुपये एक्स-शोरूम से शुरू होती है, जबकि टॉप मॉडल कीमत 19.20 लाख रुपये एक्स-शोरूम होगी. क्रेटा एसयूवी के पेट्रोल मॉडल के निचले मॉडल पर 3,000 रुपये की बढ़े हैं। कुछ मॉडलों पर 7,000 रुपये की बढ़ोतरी हुई है।

क्रेटा पेट्रोल की कीमत 10.87 लाख रुपये से शुरू होकर 18.74 लाख रुपये एक्स शोरूम तक जाती है।

मारुति ब्रेजा की टक्कर में आने वाली हुंडई की दूसरी सबसे पॉपुलर सब कॉम्पैक्ट एसयूवी वेन्यू 7,000 रुपये तक महंगी हो गई है। पेट्रोल एस(ओ) और एसएक्स(ओ) डीसीटी वेरिएंट के साथ दो टॉप-एन्ड एसएक्स और एसएक्स(ओ) डीजल मॉडल पर सबसे ज्यादा रुपये बढ़े हैं। पेट्रोल वेरिएंट के निचले मॉडलों पर 3,000 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। हुंडई वेन्यू की कीमतें अब 7.71 लाख रुपये एक्स-शोरूम से शुरू होकर 12.99 लाख रुपये एक्स-शोरूम तक जाती हैं। वेन्यू के एन-लाइन वर्जन की कीमत में भी 7,000 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। हुंडई की सबसे बड़ी एसयूवी टूसॉन पर सबसे ज्यादा 13,000 हजार रुपये बढ़े हैं।

कई जगहों पर पेट्रोल-डीजल की कीमतों में आया बदलाव

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल (क्रूड) की बढ़ती कीमतों पर अंकुश लगा है और ये कुछ हद तक नीचे आयी हैं। वहीं घरेलू बाजार में आज कई शहरों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव आया है जबकि देश के चारों महानगरों में कीमतें अभी स्थिर बनी हुई हैं। दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपये और डीजल 89.82 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर। वहीं अब नोएडा में पेट्रोल की कीमतें 27 पैसे नीचे आकर 96.65 रुपये प्रति लीटर पहुंच गयी हैं। वहीं डीजल 26 पैसे नीचे आकर 89.82 रुपये लीटर पर है। इसके अलावा गाजियाबाद में पेट्रोल 32 पैसे बढ़ा है और 96.58 रुपये लीटर पहुंच गया है। डीजल 30 पैसे बढ़कर 89.75 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है. अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड 84.91 डॉलर प्रति बैरल के भाव पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई के दाम भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में गिरकर 80.50 डॉलर प्रति बैरल हो गये हैं।

आईपीएल : मार्कराम की वापसी से उत्साहित सनराइजर्स आज सुपर जाइंट्स पर जीत दर्ज करने उतरेगी

लखनऊ (एजेंसी)। आईपीएल में शुक्रवार को सनराइजर्स हैदराबाद का मुकाबला लखनऊ सुपर जाइंट्स से होगा। इस मैच में अपने नियमित कप्तान एडन मार्कराम की वापसी के साथ ही अपने दो प्रमुख खिलाड़ियों मार्को जॉनसेन और हेनरिक क्लासेन के टीम से जुड़ने के कारण सनराइजर्स बढ़े हए मनोबल से उतरेगी। पहले मैच में उसे राजस्थान रॉयल्स के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। उस मैच में मार्कराम के अलावा जॉनसेन और क्लासेन भी नहीं शामिल थे और अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने टीम की कप्तानी की थी।

सनराइजर्स के नये कप्तान मार्कराम भी इस मैच में जीत के साथ ही अपनी नेतृत्व क्षमता साबित करना चाहेंगे। पहले मैचम में टीम की हार का कारण खराब बल्लेबाजी ओर गेंदबाजी रहा था। विरोधी टीम राजस्थान रॉयल्स ने मैच में पावर प्ले में ही एक विकेट पर 85 रन बना दिए थे और फिर पांच विकेट पर 203 रन बनाये थे। इस दौरान सनराइजर्स को कोई भी गेंदबाज प्रभावी नहीं रहा। इसके बाद पावर प्ले में भी टीम रन नहीं बना पायी।

कोच ब्रायन लारा की सनराइजर्स को पावरप्ले में भी तेजी से रन बटोरने होंगे। मार्कराम के आने से उसकी बल्लेबाजी अच्छी हुई है। वहीं जॉनसेन के आने से गेंदबाजी बेहतर होगी। राजस्थान के खिलाफ केवल टी नटराजन ही कुछ हद तक बल्लेबाजों पर अंकुश लगा पाये थे। वहीं फजलहक फारुकी ने दो विकेट लिए। भुवनेश्वर अनुभवी होने के बाद भी अपेक्षा के अनुरुप प्रदर्शन करने में नाकाम रहे। उमरान मलिक भी महंगे रहे। स्पिनर के तौर पर वाशिंगटन सुंदर और आदिल राशिद भी विफल रहे।

इस मैच में सनराइजर्स को जीत के लिए विरोध बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने के साथ अच्छी बल्लेबाजी कर रन बनाने होंगे। बल्लेबाजी में पहले मैच में मयंक अग्रवाल के अलावा दो अन्य बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और राहुल त्रिपाठी शीर्ष क्रम में रन नहीं बना पाये थे। इसे में कप्तान मार्कराम पर जिम्मेदारी बढ़ जाती है। वहीं दूसरी ओर लखनऊ की बात करें तो उसके कप्तान लोकेश राहुल अभी तक लय में नहीं हैं। जिससे टीम को अच्छी शुरुआत नहीं मिल पा रही है। अब तक केवल काइल मायर्स ने ही आक्रामक बल्लेबाजी कर रन बनाये हैं। वहीं गेंदबाजों में तेज गेंदबाज

मार्क वुड और स्पिनर रवि बिश्नोई ने अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है। वुड और बिश्नोई पर ये जिम्मेदारी रहेगी कि वे सनराइजर्स के बल्लेबाजों को बड़ा स्कोर न बनाने दें।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

सनराइजर्स हैदराबाद: एडन मार्कराम (कप्तान), भुवनेश्वर कुमार, अब्दुल समद, अभिषेक शर्मा, मयंक अग्रवाल, अनमोलप्रीत सिंह, हैरी ब्रूक, मयंक डागर, फजलहक फारूकी, अकील होसेन, कार्तिक त्यागी, हेनरिक क्लासेन, मयंक मारकंडे, टी नटराजन, नीतीश कुमार रेड्डी, ग्लेन फिलिप्स, आदिल राशिद, संवीर सिंह, राहुल त्रिपाठी, उमरान मलिक, विवरांत शर्मा, समर्थ व्यास, वाशिंगटन सुंदर, उपेंद्र यादव, मार्को जॉनसेन।

लखनऊ सुपर जाइंट्स: केएल राहुल (कप्तान और विकेटकीपर), काइल मेयर्स, दीपक हुड्डा, कुणाल पांड्या, अमित मिश्रा, निकोलस पूरन (विकेटकीपर), नवीन उल हक, आयुष बडोनी, आवेश खान, करण शर्मा, युद्धवीर चरक, यश ठाकुर, रोमारियो शेफर्ड, मार्क वुड, स्वप्निल सिंह, मनन वोहरा, डेनियल सैम्स, प्रेरक मांकड़, कृष्णप्पा गौतम, जयदेव उनादकट, मार्कस स्टोइनिस, रवि बिश्नोई, मयंक यादव।

चार्ल्सटन ओपन : शीर्ष वरीय पेगुला और पूर्व चैंपियन कीजदूर्नामेंट के अगले दौर में

चार्लेस्टन (एजेंसी)। शीर्ष वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला और पूर्व चैंपियन मैडिसन कीज ने चार्ल्सटन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में आसान जीत दर्ज की। विश्व में तीसरे नंबर की अमेरिकी खिलाड़ी पेगुला ने 65 मिनट तक चले मैच में रूस की एना ब्लिंकोवा को 6-2 6-0 से हराया। अमेरिका की ही एक अन्य खिलाड़ी और यहां 2019 में खिताब जीतने वाली कीज ने भी हमवतन हैली बैप्टिस्ट को 6-1 6-2 से आसानी से हराया।

अन्य मैचों में रूस की डारिया कसात्किना ने अमेरिका की मैडिसन ब्रेंगल को 6-2 6-1 से, रूस की सातवीं वरीयता प्राप्त एकातेरिना एलेक्जेंड्रोवा ने हमवतन यूलिया पुतिनसेवा को 6-1 6-3 से, स्पेन की 12वीं वरीयता प्राप्त पाउला बडोसा ने कनाडा की लेयला फर्नांडीज को 7-5, 7-6 (6) से और रोमानिया की 15वीं वरीयता प्राप्त इरीना कैमेलिया बेगू ने अमेरिका की सोफिया केनिन को 6-1, 6-4 से पराजित किया।

धोनी क्रिकेट इतिहास के एक महान कप्तान : राशिद लतीफ

लाहौर (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी 41 साल की उम्र में भी आईपीएल खेल रहे हैं। इस दौरान धोनी की फिटनेस को देखकर कोई भी ये नहीं कह सकता है कि कहीं से भी यूवाओं से पीछे हैं। धोनी को अब तक हुए मैचों में ज्यादा बल्लेबाजी का अवसर नहीं मिला पर जितनी भी गेंदें उन्होंने खेली उसमें उन्होंने आक्रामक अंदाज दिखाया। जो 10 गेंदे उन्होंने खेली उसमें जमकर शॉट खेले। शुरुआती दो मैचों में ही धोनी ने आईपीएल में अपने 5000 रन भी पूरे किये हैं। लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ उन्होंने दो छक्के लगाकर अपनी ताकत दिखायी है। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर राशिद लतीफ ने भी धोनी की तारीफ करते हुए उन्हें क्रिकेट इतिहास का एक महान कप्तान करार दिया है। उम्र के इस दौर में भी धोनी की बल्लेबाजी के तरीके में कोई बदलाव नहीं आया है। उन्होंने आईपीएल में अबतक 232 छक्के लगाये हैं। राशिद लतीफ से जब नौमान नियाज ने धोनी पर अपने विचार बताते हो कहा तो लतीफ ने कहा, उन्होंने अकेले आईपीएल में 5000 रन बनाए हैं। धोनी का हमेशा एक गोल्डन टेंपलेट रहा है। उनका इतिहास सुनहरे अक्षरों में लिखा जाएगा। भारत के लिए, विश्व क्रिकेट के लिए। आप और हम जो चाहें कह सकते हैं लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा। वह अब तक के सबसे महान भारतीय कप्तान हैं, और एक विकेटकीपर बल्लेबाज भी हैं। इसमें कोई शक नहीं है।

एमसीसी ने धोनी-युवराज, मिताली सहित पांच भारतीय क्रिकेटरों को आजीवन सदस्यता प्रदान की

दुबई (एजेंसी)। मेरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) ने पांच भारतीय क्रिकेटरों को आजीवन सदस्यता प्रदान कर सम्मानित किया है। जिन क्रिकेटरों को ये सम्मान दिया गया है। वे हैं पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी, पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह, बल्लेबाज सुरेश रैना, भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज और तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी। एमसीसी ने इसके अलावा आठ टेस्ट खेलने वाले देशों के 19 नए मानद आजीवन सदस्यों के नाम भी घोषित किये।

एमसीसी ने कहा, पांच भारतीय खिलाड़ियों को मानद आजीवन सदस्यता से सम्मानित किया गया है। इसमें शामिल झूलन ने पिछले साल

लॉर्ड्स में इंग्लैंड के साथ महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय के बाद संन्यास ले लिया था। झूलन महिला एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे अधिक विकेट लेने वाली खिलाड़ी हैं जबकि मिताली राज ने 211 पारियों में 7,805 रन बनाकर महिला क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाये हैं। इसमें कहा गया, धोनी और युवराज दोनों की ही 2007 आईसीसी पुरुष विश्व टी20 और 2011 एकदिवसीय विश्वकप आईसीसी पुरुष जीत में अहम भूमिका थी। वहीं रैना ने 13 साल के करियर में एकदिवसीय में 5,500 से ज्यादा रन बनाए हैं।

जिन अन्य क्रिकेटरों को सदस्यता मिली है, उनमें न्यूजीलैंड की एमी सैटरवेट और रॉस टेलर के अलावा वेस्टइंडीज की मेरिसा एगुलेरिया हैं। इंग्लैंड की जेनी गुन, लॉरा मार्श, आन्या श्रबसोल और ऑयन मोर्गन तथा केविन पीटरसन, पाकिस्तान के मोहम्मद हफीज, बांग्लादेश के मशरफी मुर्तजा, दक्षिण अफ्रीका के डेल स्टेन, ऑस्ट्रेलिया की रचेल हेन्स भी शामिल हैं।

ईपीएल : रैशफोर्ड के गोल से जीता मैनचेस्टर यूनाइटेड, न्यूकासल ने वेस्ट हैम को हराया

मैनचेस्टर। मार्कस रैशफोर्ड ने विश्वकप के बाद से अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए फिर से गोल दागा जिससे मैनचेस्टर यूनाइटेड ने इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल प्रतियोगिता में ब्रैंटफोर्ड को 1-0 से हराकर खुद को चैंपियंस लीग में जगह बनाने की दौड़ में शामिल कर दिया। इंग्लैंड के फॉरवर्ड रैशफोर्ड ने 28वें मिनट में गोल किया जो आखिर में निर्णायक साबित हुआ। इस जीत से मैनचेस्टर यूनाइटेड के 28 मैचों में 53 अंक हो गए हैं और वह तीसरे स्थान पर काबिज न्यूकासल की बराबरी पर पहुंच गया है।

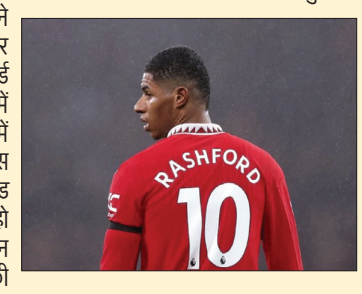

न्यूकासल ने एक अन्य मैच में वेस्ट हैम को 5-1 से करारी शिकस्त दी। वह अभी मैनचेस्टर यूनाइटेड से गोल अंतर में आगे है। ईपीएल में खिताब के लिए आर्सेनल और मैनचेस्टर सिटी के बीच कड़ा मुकाबला चल रहा है। इन दोनों के बाद चैंपियंस लीग में जगह बनाने के लिए न्यूकासल और मैनचेस्टर यूनाइटेड को मजबूत दावेदार माना जा रहा है।

सेना में जाना चाहते थे इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे ध्रुव

नई दिल्ली। राजस्थान रॉयल्स के युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में पंजाब किंग्स के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए 15 गेंद पर 200 के स्ट्राइक रेट से नाबाद 32 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिलाने के पूरे प्रयास किय। इस मैच में इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे ध्रुव ने अपनी बल्लेबाजी से सभी का ध्यान खींचा है। 22 साल के उप्र के युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव भारतीय अंडर-19 टीम में शामिल रहे हैं। ध्रुव 2020 में अंडर-19 भारतीय टीम के उप-कप्तान थे और यह टीम टूर्नामेंट में उपविजेता रही थी। इस बल्लेबाज ने अब तक 4 टी20 में 60 रन बनाए हैं और नाबाद 62 रन उसका सबसे अच्छा प्रदर्शन है। इस युवा बल्लेबाज का यहां तक का सफर बेहद कठिन रहा है। ध्रुव ने कहा, जब मैं 12 साल का था, तो मैंने बल्ले और किट के लिए घरवालों के सामने शर्त रख दी थी। उन्होंने कहा था कि यदि उन्हें सामान नहीं मिला तो वे घर छोड़ देंगे पर अब उन्हें इस बात को सोचकर दुख होता है। इस खिलाड़ी ने कहा कि यह मेरी गलती थी, क्योंकि मैंने अपने पापा को ब्लैकमेल किया था। मां इस बात से काफी भावुक हो गई थीं और उन्होंने अपनी सोने की चेन बेचकर मेरे लिए किट खरीदी थी। उस बात को याद कर मुझे अब भी दुख होता है। ध्रुव के पिता नेम सिंह जुरेल आर्मी में हैं और उन्होंने कारगिल युद्ध में जीत का झंडा फहराया था। ध्रुव भी पिता की तरह सेना में ही जाना चाहते थे। आर्मी स्कूल में पढ़ने के दौरान ध्रुव ने तैराकी भी सीखी।

न्यूजीलैंड को बड़ा झटका, वनडे विश्वकप से बाहर हो सकते हैं विलियमसन, करानी होगी सर्जरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन को लेकर एक बड़ी खबर आ रही है। जानकारी के मुताबिक भारत में होने वाले आईसीसी पुरुष वनडे विश्व कप से केन विलियमसन बाहर हो सकते हैं। उन्हें इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2023 के शुरुआती मैच में घुटने में चोट लगी थी। विलियमसन को अपने घायल दाहिने घुटने की सर्जरी की आवश्यकता होगी, मंगलवार को स्कैन के बाद पुष्टि हुई। आपको बता दें कि केन विलियमसन इस साल गुजरात टाइटंस की तरफ से खेल रहे थे। पहले ही मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ फील्डिंग करते समय चोटिल हो गए थे। सबर यह है कि उनके दाहिने हाथ का अगले तीन सप्ताह के अंदर ऑपरेशन किया जाएगा।

माना जा रहा है कि केन विलियमसन को ठीक होने में काफी समय लगेगा, जो प्रभावी रूप से उन्हें मेगा इवेंट से बाहर कर सकता है। न्यूजीलैंड क्रिकेट एसोसिएशन ने गुरुवार को एक विज्ञप्ति में कहा कि मानक रिहैबिलिटेशन समयसीमा का मतलब है कि विलियमसन के फिट होने और इस साल भारत में होने वाले आईसीसी वनडे क्रिकेट विश्व कप में चयन के लिए उपलब्ध होने की संभावना कम है। यह खबर न्यूजीलैंड के लिए बड़ा झटका हो सकता है। केन विलियमसन विश्व के बेहतर बल्लेबाजों की सूची में आते हैं। वह न्यूजीलैंड के कप्तान भी है।

विलियमसन ने यह खबर मिलने के बाद न्यूजीलैंड क्रिकेट और अपनी आईपीएल फ्रेंचाइजी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों मुझे बहुत सहयोग मिला और इसके लिए मैं न्यूजीलैंड क्रिकेट और गुजरात टाइटंस का आभार व्यक्त करता हूं। यह स्वाभाविक है कि इस तरह की चोट लगने से मैं निराश हूं लेकिन मेरा ध्यान अभी सर्जरी और उसके बाद फिटनेस हासिल करने पर है। उन्होंने कहा कि इसमें कुछ समय लगेगा लेकिन मैं जल्द से जल्द मैदान पर उतरने के लिए अपनी तरफ से हर संभव प्रयास करूंगा। आपको बता दें कि इस तरह की चोट से उबरने और पूर्ण फिटनेस हासिल करने में काफी समय लग जाता है और इसे देखते हुए विलियमसन का अक्टूबर-नवंबर में होने वाले वनडे विश्वकप तक पूरी तरह फिट होना असंभव लगता है।

फीफा रैंकिंग में छह साल में पहली बार शीर्ष पर पहुंचा विश्व चैंपियन अर्जेंटीना

ज्यूरिख। विश्व कप विजेता अर्जेंटीना छह साल में पहली बार गुरुवार को फीफा विश्व रैंकिंग में चोटी पर पहुंचने में कामयाब रहा। अर्जेंटीना ने पिछले महीने दो मैत्री मैचों में जीत दर्ज की थी जिससे वह ब्राजील को हटाकर चोटी पर पहुंचने में सफल रहा। ब्राजील को मोरक्को से 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था जिससे वह तीसरे स्थान पर खिसक गया। विश्व कप के फाइनल में अर्जेंटीना से हारने वाला फ्रांस एक पायदान चढ़कर दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। उसने यूरोपीय चैंपियनशिप क्वालीफायर्स के लगातार मैचों में नीदरलैंड और आयरलैंड को हराया था। बेल्जियम पहले की तरह चौथे जबकि इंग्लैंड पांचवें स्थान पर है। इसके बाद नीदरलैंड, क्रोएशिया, इटली, पुर्तगाल और स्पेन का नंबर आता है।

चहल आईपीएल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले दूसरे गेंदबाज बने

गुवाहाटी (एजेंसी)। (ईएमएस)। राजस्थान रॉयल्स के स्पिनर युजवेंद्र चहल ने आईपीएल में पंजाब किंग्स के खिलाफ एक विकेट लेने के साथ ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। इसी के साथ ही चहल सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले दूसरे गेंदबाज बन गये हैं। चहल ने पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले में 4 ओवर में 50 रन देकर एक विकेट लिया। वहीं इससे पहले दूसेर नंबर पर श्रीलंकाई तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा थे चहल ने मैच में एक विकेट लेते ही मलिंगा को पीछे छोड़ दिया। मलिंगा के नाम 122 मैचों में 170 विकेट हैं। वहीं अब चहल के 133 मैचों में अब 171 विकेट हो गये हैं और वह दूसरे नंबर पर आ गये हैं। वेस्टइंडीज के ड्वेन ब्रावो161 मैचों में 183 के साथ ही पहले नंबर पर हैं। वहीं भारतीय गेंदबाजों की बात करें तो चहल आईपीएल में सबसे विकेट लेने के मामले पहले स्थान पर हैं।

आईपीएल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले शीर्ष 5 गेंदबाज

1 ड्वेन ब्रावो- 161 मैचों - 183 विकेट
2 युजवेंद्र चहल- 133 मैचों - 171 विकेट
3 लसिथ मलिंगा- 122 मैचों -170 विकेट
4 अमित मिश्रा- 154 मैचों - 166 विकेट
5 रविचंद्रन अश्विन- 186 मैचों - 158 विकेट

डीडीसीए निदेशक श्याम शर्मा बोले, ऋषभ अब पहले से बेहतर

नई दिल्ली। दिल्ली क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के निदेशक श्याम शर्मा ने कहा कि दिल्ली कैपिटल्स के नियमित कप्तान ऋषभ पंत अब पहले से बेहतर महसूस कर रहे हैं। वह कार हादसे के बाद हुई सर्जरी से तेजी से उबर रहे हैं। गुजरात टाइटंस के खिलाफ हुए मैच में भी वह उत्साहित नजर आये। ऋषभ कार हादसे के बाद पहली बार इस आईपीएल मैच में प्रशंसकों के सामने आये। इस दौरान उन्हें देखने के लिए प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह था। प्रशंसकों के हुजूम में अनेक ने हार्दिक पांड्या, शुभमन गिल और डेविड वार्नर के जर्सी नंबर वाली शर्ट्स पहन रखी थी जबकि कुछ क्रिकेट प्रशंसक ऐसे भी थे जो 17 नंबर की जर्सी पहने हुए थे और मेट्रो सफर के दौरान चर्चा कर रहे थे कि उन्हें ऋषभ को देखने का मौका मिल गया। डीडीसीए निदेशक ने कहा, उन्हें काफी अच्छा लगा। वह गेट नंबर सात से पैदल चलते हुए अंदर घुसे और सीढ़ियां भी चढ़े। वह महसूस कर रहे थे कि यह अच्छी एक्सरसाइज होगी और उनका आत्मविश्वास भी बढ़ गया है। उन्होंने साथ ही कहा, उनके दृष्टिकोण से यह काफी अच्छा रहा। वह काफी दिन से घर पर थे। वह ड्रेसिंग रूम भी गए और खिलाड़ियों तथा टीमों से मिले। वह टीम मालिकों के साथ भी बैठे और उन्होंने जय शाह (बीसीसीआई सचिव) और राजीव शुक्ला (बीसीसीआई उपाध्यक्ष) से भी लम्बी बातचीत की। सफेद कमीज, काली हाफपैंट और चश्मा लगाए हुए वह सफेद गाडी में स्टेडियम पहुंचे। उनके दाएं घुटने पर कम्प्रेशन ब्रेस लगा हुआ था। कोहनी के आसपास चोट के निशान अब भी मौजूद थे। शर्मा ने कहा, मैंने उनकी रिकवरी के बारे में भी बातचीत की। उन्होंने कहा, चिंता मत करो भैया, मैं जल्दी मैदान में वापस आऊंगा। उनकी आत्मशक्ति और ईश्वर की कृपा से उनकी रिकवरी अच्छी चल रही है। दिल्ली की पारी के तीसरे ओवर में उन्हें दिल्ली कैपिटल्स लॉन्ज एरिया में टीम के सह मालिक पार्थ जिंदल के साथ बैठे देखा गया।

आईपीएल 2023 में जबरदस्त चल रहा है शिखर धवन का बल्ला, क्या टीम इंडिया में होगी वापसी?

नयी दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2023 के मुकाबले खेले जा रहे हैं। बुधवार को आईपीएल का आठवां मुकाबला खेला गया था। पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स की टीम आमने-सामने थी। पंजाब किंग्स का नेतृत्व 37 साल के शिखर धवन कर रहे हैं। शिखर धवन ने कल के मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए 56 गेंदों में 86 रनों की नाबाद पारी खेली। उनकी बल्लेबाजी काफी सदी हुई लग रही थी। उनके फुटवर्क भी काम करते दिखाई दे रहे थे। इसके बाद अब इस बात की चर्चा शुरू हो गई है यह क्या शिखर धवन की एक बार फिर से टीम इंडिया में वापसी होगी? इसकी चर्चा इसलिए भी हो रही है क्योंकि इस बार वनडे विश्व कप भारत में ही होना है। मध्यक्रम में मजबूत बल्लेबाज की कमी की वजह से जूझ रही टीम इंडिया को शिखर धवन कहीं ना कहीं बैलेंस कर सकते हैं।

सोशल मीडिया पर चर्चा की जा रही है कि रोहित शर्मा और शिखर धवन टीम इंडिया के लिए ओपनिंग करें जबकि शुभ्मन गिल को नंबर चार पर श्रेयस अय्यर की जगह खिलाया जाए। हालांकि, शिखर धवन की टीम इंडिया में वापसी तब ही हो पाएगी जब पूरे आईपीएल में उनका बल्ला लगातार चलता रहे। राजस्थान के खिलाफ शिखर धवन शुरुआत में कुछ संभलकर खेले। लेकिन जब उनके ओपनिंग साझेदार प्रभसिमरन सिंह पवेलियन लौटे तो उसके बाद उन्होंने अपने गियर बदल दिया। वर्तमान में बात करें तो शिखर धवन ने 2023 में कोई भी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला नहीं खेला है। उनके फॉर्म पर भी सवाल उठे थे। शिखर धवन ने कई मौकों पर टीम इंडिया के लिए एकदिवसीय में कप्तानी भी की है। इसलिए शिखर धवन की वापसी को लेकर चर्चाएं तेज हो गई है।

आईसीसी टूर्नामेंटों की बात करें तो शिखर धवन का बल्ला यहां शानदार चलता है। 2013 के चैंपियंस ट्रॉफी में शिखर धवन ने क्या जबरदस्त बल्लेबाजी की थी, यह सभी को याद ही होगा। उन्होंने इस दौरान 90 से ज्यादा की औसत से 363 रन बनाए थे। 2015 के वर्ल्ड कप में भी उनका औसत 50 से ज्यादा का था। 2017 के चैंपियंस ट्रॉफी में भी शिखर धवन ने शानदार बल्लेबाजी की थी। शिखर धवन की बात करें तो अब तक उन्होंने 68 ञ्च20 इंटरनेशनल मुकाबले खेले हैं। वहीं, 167 एकदिवसीय मुकाबले खेले हैं। 34 टेस्ट में उन्होंने 2315 रन बनाए हैं जबकि आईपीएल में अब तक उन्होंने 208 मुकाबले खेले हैं और 6370 रन बनाए हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

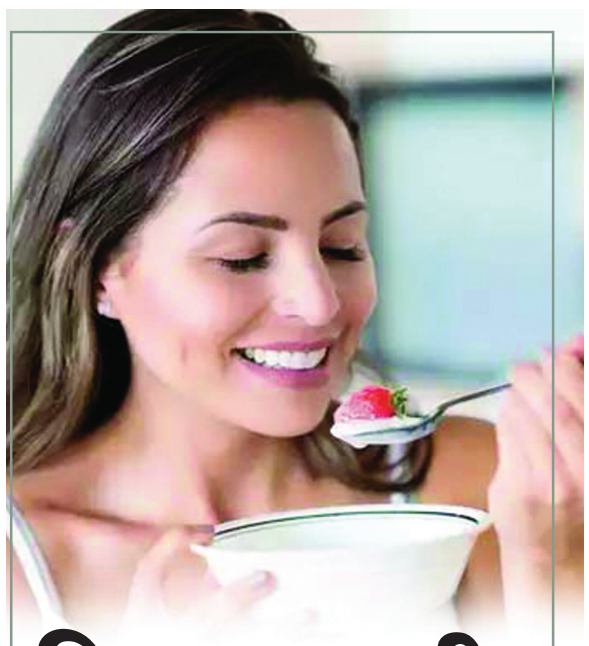

कितना सही है नाश्ते में दही लेना

नाश्ते में हम सभी कुछ ऐसा खाना पसंद करते हैं, जो खाने में टेस्टी हो और हमारे शरीर को पूरा दिन काम करने की एनर्जी देता रहे। ऐसे में ज्यादातर लोग किसी ना किसी रूप में नाश्ते में दही खाना पसंद करते हैं। लेकिन क्या नाश्ते में दही लेना एक स्वस्थ विकल्प है?

पाचक होती है लेकिन नींद दिलाती है

- यदि आपके दिन शुरुआत ही दही के साथ हो रही है तो यह आपको एनर्जी देने के स्थान पर नींद दिला सकती है और शरीर में सुस्ती बढ़ा सकती है। इसलिए दही कभी भी आपके फर्स्ट फूड का भाग नहीं होना चाहिए। हालांकि दही नाश्ते का एक शानदार हिस्सा है। यदि आप इसे खाते समय कुछ खास बातों का ध्यान रखते हैं तब.

समझे विरोधी बातों का अर्थ

- एक तरफ तो हम कह रहे हैं कि दही नाश्ते में खाना अच्छा है। वहीं दूसरी तरफ यह भी कह रहे हैं कि इसे खाने से सुस्ती बढ़ सकती है। दरअसल, ये दोनों ही बातें सही हैं। दही खाने पर आपको एनर्जी मिलेगी या सुस्ती आएगी, यह इस बात पर निर्भर करता है कि दही खाने का आपका तरीका क्या है।

इस तरह खाएं और इस तरह ना खाएं दही

- आप नाश्ते में चपाती, पराठा, चिल्ला आदि के साथ दही खा सकते हैं। एक कटोरी दही का सेवन नाश्ते में करना शरीर के लाभकारी होता है और पाचनतंत्र को सही करता है। साथ ही शरीर को दिनभर के लिए ऊर्जा देने में लाभकारी होता है।
- लेकिन नाश्ते में दही का सेवन तभी करना चाहिए जब आप सुबह के समय नाश्ते से पहले कुछ खा या पी चुके हों। जैसे, सुबह की शुरुआत आपने पानी के साथ की हो और फिर चाय-टोस्ट, स्प्राउट्स या ड्राईफ्रूट्स आदि खाए हों। इसके एक घंटे बाद यदि आप नाश्ते में दही का सेवन करते हैं तो आपको नींद नहीं आएगी। आपको गैस बनने की समस्या है तो इन 5 सब्जियों से बचना चाहिए

खाली पेट नहीं खानी चाहिए दही

- सुबह के समय आप नाश्ते में केवल मीठी दही का उपयोग कर सकते हैं। खट्टी दही खाने से परहेज करें। साथ ही नाश्ते में दही खाते समय आप इसमें एक चम्मच शक्कर मिला सकते हैं। यदि आपको शुगर की समस्या नहीं है तब।
- दिन की शुरुआत यदि किसी भी कारण देरी से हुई हो और आपके पास नाश्ता करने का समय ना हो तो भूलकर भी खाली दही ना खाएं। यदि आप खाली पेट दही खाते हैं तो आपको जबदस्त नींद आएगी और आप खुद को बहुत थका हुआ अनुभव करेंगे।
- ऐसा इसलिए होता है क्योंकि खाली पेट दही खाने से कुछ लोगों को ब्लड प्रेशर कम होने की समस्या हो जाती है। इससे शरीर में ब्लड का फ्लो कम होता है और ऑक्सीजन का स्तर घटने लगता है। यही कारण है कि बहुत तेज नींद आती है और बेहोशी जैसा अनुभव होता है।

आप चाहे मानसिक काम अधिक करते हैं या शारीरिक काम। यदि आपको काम करते समय बहुत जल्दी थकान होने लगती है तो इसका एक अर्थ यह होता है कि आपके शरीर में डिहाइड्रेशन की समस्या है। जी हां, केवल पोषण की कमी के कारण ही नहीं बल्कि शरीर में पानी की कमी के कारण भी जल्दी थकान होती है। जो लोग नियमित रूप से जरूरी पानी नहीं पीते हैं, उन्हें काम करते समय अधिक थकान होना और अन्य लोगों की तुलना में जल्दी थकान होने जैसी समस्याएं होती हैं। जानें, जल्दी थकान होने के अन्य कारण और उनके निवारण के तरीके

लगातार बनी रहती है थकान तो ऐसे रखें अपना ध्यान

जल्दी थकने की वजह

- आमतौर पर जो लोग बहुत जल्दी थकान होने की समस्या से पीड़ित होते हैं, उनके शरीर में कुछ खास तत्वों की कमी देखने को मिलती है.
- पानी की कमी
- खून की कमी
- विटमिन-बी12 की कमी
- फोलेट या फॉलिक एसिड की कमी देखने को मिलती है।

जल्दी थकान से बचने के तरीकों में ना केवल अपने खान-पान पर ध्यान देना है बल्कि यह भी ध्यान देना है कि जिस डायट का सेवन आप कर रहे हैं और जिन ड्रिंक्स को आप ले रहे हैं, क्या वे आपके शरीर की जरूरतों को पूरा कर रही हैं। यहां जानें कैसे रखा जाएगा इस बात का ध्यान.

तरल पदार्थों का सेवन

- जल्दी-जल्दी होने वाली थकान की समस्या से बचने के लिए जरूरी है कि आप तरल पदार्थों का सेवन बढ़ा दें। इनमें जूस, सूप, छांछ, दाल इत्यादि शामिल हैं। इसके साथ ही समय-समय सादा पानी पीते रहें। वयस्कों को हर दिन कम से कम 8 गिलास पानी पीना चाहिए।

तनाव को नियंत्रित करना सीखें

- जल्दी थकने की एक बड़ी वजह लगातार बना रहनेवाला तनाव भी होता है। तनाव का कारण चाहे जो भी लेकिन यह व्यक्ति को शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से जल्द थका देता है। इसलिए तनाव से बचने के लिए हर दिन कुछ समय के लिए मेडिटेशन यानी ध्यान जरूर करें। यह आपको मानसिक रूप से फिट रखने का काम करेगा।

फलियों का सेवन करें

- हरी फलियां कई तरह की वरायटी में आती हैं। खास बात यह है कि मौसम की प्रकृति और उस दौरान शरीर की जरूरत के अनुसार हर सीजन में आनेवाली फलियां पोषक तत्वों से भरपूर होती हैं।
- हरी फलियां फाइबर युक्त होती हैं और इनका पाचन धीमी गति से होता है। इसलिए ये शरीर को लंबे समय तक ऊर्जा देने का काम करती हैं, जिससे शरीर पर थकान कम हावी होती है।

ड्राईफ्रूट्स

- ऐसा नहीं है कि ड्राईफ्रूट्स का सेवन केवल सर्दियों में ही करना चाहिए। बल्कि सीमित मात्रा में और दूध के साथ ड्राईफ्रूट्स का सेवन गर्मियों में भी हर दिन किया जा सकता है।
- क्योंकि ड्राईफ्रूट्स केवल हमारे शरीर को गर्माहट देने का ही काम नहीं करते हैं बल्कि पोषण देने का काम भी करते हैं। शरीर की कमजोरी को दूर करने में मीट भी अच्छी भूमिका निभाता है। लेकिन कोरोना संक्रमण के दौर में हम आपको मीट खाने की सलाह नहीं देना चाहते हैं। इस समय में आप थकान से बचने के लिए ड्राईफ्रूट्स यानी सूखे मेवों का सेवन कर सकते हैं।

शरीर में ऑक्सीजन की कमी के लक्षण और कारण

शरीर में ऑक्सीजन की कमी हो जाना कई रोगों का कारण बनता है। ऑक्सीजन का स्तर कम होने पर सबसे जल्दी और सबसे बुरा असर हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता पर पड़ता है। इस स्थिति में कोई भी वायरस और बैक्टीरिया हमारे शरीर पर हावी हो सकता है। शरीर में ऑक्सीजन की कमी के लक्षण और कारण क्या होते हैं.

शरीर में ऑक्सीजन की कमी के लक्षण

- शरीर में ऑक्सीजन की कमी होने से अर्थ है कि शरीर को अपनी नियमित क्रियाओं को सुचारू रूप से चलाने के लिए जितनी मात्रा में ऑक्सीजन चाहिए, उतनी मात्रा में ऑक्सीजन ना मिल पाना।
- जब शरीर में ऑक्सीजन की कमी होती है तो सबसे पहले व्यक्ति को थकान महसूस होती है, सांस लेने में दिक्कत होने लगती या सांस फूलने लगता है। इसके बाद शरीर में रक्त के प्रवाह की गति धीमी हो जाती है। इससे थकान और घबराहट बढ़ जाती है।

हो सकती हैं ये बीमारियां

- यदि शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बहुत कम हो जाए तो ब्रेन डैमेज और हार्ट अटैक तक की स्थिति बन जाती है। शुगर के रोगियों में यदि ऑक्सीजन की कमी हो जाए तो उनकी शुगर अचानक बहुत अधिक बढ़ सकती है, जो कि एक जानलेवा स्थिति भी बन सकती है।
- ऑक्सीजन का स्तर अचानक से बहुत अधिक घट जाने पर शरीर में थायरॉइड हॉर्मोन का संतुलन गड़बड़ा जाता है। इस स्थिति में थायरॉइड का स्तर या तो बहुत अधिक बढ़ सकता है या बहुत अधिक घट सकता है।

शरीर में ऑक्सीजन की कमी के कारण

- शरीर में ऑक्सीजन की कमी के कई कारण होते हैं, जो व्यक्ति की लाइफस्टाइल पर निर्भर करते हैं। जो लोग बहुत अधिक आलस से भरपूर जीवनशैली जीते हैं यानी फिजिकल ऐक्टिविटी नहीं करते हैं, उनके शरीर में भी ऑक्सीजन की कमी हो जाती है।
- जो लोग बहुत अधिक शारीरिक श्रम करते हैं लेकिन उसके हिसाब से डायट नहीं लेते हैं, उनके शरीर में भी ऑक्सीजन की कमी हो सकती है।
- जिन लोगों के भोजन में आयरन की मात्रा कम होती है अगर वे लंबे समय तक इसी तरह का भोजन लेते रहें तो उनके शरीर में भी ऑक्सीजन की कमी हो सकती है। क्योंकि फेफड़ों सहित पूरे शरीर में ऑक्सीजन का प्रवाह करने में आयरन महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

चैन की नींद सोना है तो जरूर करें यह काम

अगर आप चाहते हैं कि रात में आपको सुकून की नींद आए, पैरों में कुलन और बेचैनी के कारण आपकी नींद में किसी तरह की बाधा ना आए तो आपको सोने से पहले एक खास काम करना होगा। यह काम आपके शरीर को राहत देने के साथ ही दिमाग को भी शांति देगा। आइए, जानते हैं कि आखिर क्या और कैसे करना है.

आपको क्या करना है?

- बिस्तर पर जाने से पहले आपको अपने पैर साफ पानी से धुलकर कॉटन के कपड़े से पोछकर साफ करने हैं। इसके बाद सरसों के तेल से अपने पैरों की मालिश करें। यह मालिश 2 से 3 मिनट की भी हो तो काफी है। यहां जानें इस तरह हर दिन मालिश करने से आपको किस तरह के लाभ होंगे.

पैर के तलुए में होते हैं सभी एक्युप्रेशर पॉइंट्स

- हमारे पैर के तलुओं में पूरे शरीर के एक्यूप्रेशर पॉइंट्स होते हैं। पैर के तलुओं पर मसाज करने से इन पॉइंट्स पर दबाव पड़ता है, जिससे शरीर का तनाव कम होता है और मानसिक शांति बढ़ती है। इसलिए आप अच्छी नींद आती है।

ताउम्र रहेंगे युवा

- अगर आप हर दिन सोने से पहले अपने पैर के तलुओं पर सरसों के तेल से मालिश करेंगे तो आप ताउम्र युवा बने रहेंगे। यहां युवा बने रहने से हमारा आशय है कि आपके दांत, आपकी दृष्टि और आपके शरीर के जोड़ों में किसी तरह का दर्द या समस्या नहीं हो पाएगी।

चश्मा नहीं लगेगा

- यदि आप सोने से पहले हर दिन अपने पैरों पर सरसों तेल से मालिश करते हैं तो आप अपनी कमजोर आइसाइट को भी ठीक कर सकते हैं। लेकिन ऐसा नहीं है कि आपको एक या दो हफ्ते में ही इसका असर देखने को मिल जाएगा।

पाचन को ठीक रखे

- आपको जानकर थोड़ी हैरानी हो सकती है। लेकिन यह सही है कि जो लोग नियमित रूप से अपने पैर के तलुओं पर मालिश करते हैं या किसी और से कराते हैं, उनका पाचनतंत्र अन्य लोगों की तुलना में काफी ठीक रहता है। साथ ही उन्हें पेट संबंधी रोग नहीं घेरते हैं।
- साथ ही ऐसे लोगों के शरीर पर थकान हावी नहीं हो पाती है। पैर के तलुओं की मसाज करने से शरीर के डैमेज सेल यानी क्षतिग्रस्त कोशिकाओं की जल्द मरम्मत होती है। इससे त्वचा भी चमकदार बनी रहती है। तो देर किस बात की, खूबसूरती और सेहत के लिए आज से ही शुरू करें पैर के तलुओं की मालिश।

ड्राई आई सिंड्रोम का संकेत हो सकता है आंखों में पानी आना

आंखे शरीर का सबसे जरूरी, सुंदर और नाजुक अंग है। सर्दी के मौसम में नमी और ठंडक के कारण आंखों में पानी आ जाता है लेकिन यह ड्राई आई सिंड्रोम का संकेत भी हो सकता है। इस बीमारी में आंखों से बहुत ज्यादा पानी आना, धुंधला दिखाई देना और चुभन महसूस होना, सूजन, रैशेज, लालपन जैसे लक्षण दिखाई देते है। इस बीमारी का समय पर इलाज न करने पर आंखों की रोशनी जा भी सकती है। ऐसे में इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए आप डॉक्टर की दवाइ के साथ-साथ कुछ घरेलू उपाय भी कर सकते हैं। इन घरेलू नुस्खों की मदद से आप बिना किसी नुकसान के इस परेशानी से छुटकारा पा सकते है।

गीला कपड़ा - आंखों को हाथों से इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। आंखों में जलन, दर्द या खुजली होने पर साफ पानी में कपड़े को भिगोकर आंखों की सफाई करें। इससे किसी भी तरह की बीमारी का खतरा कम हो जाता है।

नारियल का तेल - नारियल तेल में मौजूद गुण आखों की गंदगी को साफ करते हैं। रोजाना आंखों के नीचे और आस-पास नारियल के तेल की मालिश करें। आपको इस समस्या से निजात मिल जाएगा।

हर्बल टी - कोमोमाइल या पेपरमिंट चाय की पत्तियों को थोड़ी देर गर्म पानी में भिगो दें। इसके बाद थोड़ी-थोड़ी देर में आंखों की सिकाई करें। ध्यान रहें कि पानी ज्यादा गर्म न हो।

नमक - कई बार आंखो में जलन और खुजली के कारण पानी आने लगता है। ऐसे में आप 1 गिलास गर्म पानी में चुटकीभर नमक डालकर आंखों की सिकाई करें। दिन में 3 बार इसका इस्तेमाल खुजली और जलन की परेशानी को दूर कर देगा।

बेकिंग सोडा - साफ पानी में 1 चम्मच बेकिंग सोडा मिलाकर गर्म करें। पानी थोड़ा रह जाने पर इससे अपनी आंखों को धो लें। इससे आपको आराम मिल जाएगा।

ठंडा दूध - कॉटन बॉल को ठंडे दूध में डिप करके अपनी आंखों के आस-पास रगड़ें। इसके अलावा आप कॉटन बॉल को ठंडे दूध में भिगोकर रख भी सकते है। इन उपायों को सुबह-शाम करने से आपको आराम मिल जाएगा।

एलोवेरा - एलोवेरा जेल में 1 चम्मच शहद और 1/2 कप एल्डरबैरी चाय मिलाएं। रोजाना दिन में 2 बार इस मिश्रण से अपनी आंखों को धोएं। आपकी परेशानी कुछ समय में ही दूर हो जाएगी।

कच्चा आलू - एस्ट्रिंजेंट के गुणों से भरपूर कच्चा आलू आंखों में पानी आने की समस्या से जल्दी राहत देता है। आलू की पतली स्लाइस काट कर कुछ देर फ्रिज में रखें। इसके बाद इस ठँडी स्लाइस को 15 से 20 मिनट के लिए आंखों के उपर रख लें। 2-3 दिन तक इसका इस्तेमाल आपकी इस समस्या को दूर कर देगा।

11 हजार फीट की ऊंचाई पर कॉकपिट में दिखा कोबरा

-पायलट से सूझबूझ से कर दी सुरक्षित लैंडिंग

केपटाउन । हवा में उड़ रहे हवाई जहाज में बैठे सभी यात्रियों की जान पायलट के ही हाथ में होती है। पायलट की जरा सी गलती सैकड़ों लोगों की जान पर बन सकती है। इसी बीच एक ऐसा वाकया सामने आया, इस लेकर सभी पायलट की तारीफ कर रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका के पायलट रुडोल्फ एरास्मस ने 11 हजार फीट ऊपर उड़ते विमान में अचानक कोबरा देखा। कोबरा कॉकपिट में ही था। इतने जहरीले सांप को देखने के बाद भी वह घबराए नहीं और शांति के साथ प्लेन की इमरजेंसी लैंडिंग करवाकर यात्रियों की जान बचा ली। दक्षिण अफ्रीका में एक घरेलू उड़ान को लेकर जब रुडोल्फ इरास्मस जा रहे थे, उन्हें अपनी सीट के नीचे कोई ठंडी चीज महसूस हुई। नीचे देखा तब पांच फीट लंबा कोबरा भाग रहा था। दुनिया के सबसे जहरीले सांपों में कोबरा की गिनती होती है। इरास्मस ने सूझबूछ से काम लिया और इसकी जानकारी यात्रियों को नहीं दी। उन्हें पता था कि अगर उन्होंने कोबरा के बारे में किसी और को बताया, तब दुर्घटना भी हो सकती है। उस समय विमान में पायलट को मिलाकर पांच ही लोग थे। इरास्मस ने बेहद धैर्य के साथ अपने साथियों को बताया कि कॉकपिट में सांप है। इसके बाद सबसे शांत रहने को कहा। उन्होंने धीरे से प्लेन की इमरजेंसी लैंडिंग करा दी। बता दें कि यह कोई बहुत बड़ा सवारी वायुयान नहीं था। पायलट ने तुरंत नजदीकी एयरपोर्ट से संपर्क किया और लैंडिंग की परमिशन मांगी। मामले को समझते हुए एयरपोर्ट से तत्काल लैंडिंग की इजाजत मिल गई। इसके बाद विमान को लैंड करा दिया गया। इरास्मस वॉरसेस्टर एयरफील्ज का विमान उड़ा रहे थे। बाद में कर्मचारियों ने बताया कि उन्होंने एक दिन पहले विमान के विंग्स के पास में कोबरा देखा था। बात में लोगों को लगा कि वह चला गया है। हालांकि कोबरा कॉकपिट में जा छिपा था। लैंडिंग के बाद कोबरा को कॉकपिट से निकाला गया।

जापान का मिलिट्री हेलिकॉप्टर हवा में कैसे हो गया गायब? 10 लोग थे सवार, मची खलबली

जापान ने गुरुवार को कहा कि उसके दक्षिण-पश्चिम ओकिनावा द्वीप श्रृंखला के हिस्से मियाकोजिमा के पास कई चालक दल और यात्रियों को ले जा रहे एक सैन्य हेलीकॉप्टर से संपर्क टूट गया था। सार्वजनिक प्रसारक एनएचके के अनुसार, यूएच60 ट्रूप ट्रांसपोर्ट, जिसे आमतौर पर ब्लैक हॉक के रूप में जाना जाता है, मियाकोजिमा पर ग्राउंड सेल्फ डिफेंस फोर्स बेस छोड़ने के बाद रडार ट्रैकिंग से गायब हो गया और रेडियो संचार का जवाब नहीं दिया। जापान के प्रधान मंत्री फुमियो किशिदा ने एनएचके द्वारा प्रसारित टिप्पणियों में कहा कि सरकार की प्राथमिकता उन लोगों को बचाना है। जापानी तटरक्षक जहाज लापता हेलीकॉप्टर की तलाश कर रहे हैं, जो एनएचके के अनुसार 10 लोगों को ले जा रहा था। कुछ स्थानीय मीडिया ने बताया कि उनमें से एक वरिष्ठ ग्राउंड सेल्फ डिफेंस फोर्स कमांडर था। जीएसडीएफ के अधिकारी तुरंत टिप्पणी के लिए उपलब्ध नहीं थे।

खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में 8 आतंकवादी ढेर, एक सैनिक भी मारा गया

पेशावर । पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक आतंकवादी ठिकाने पर रातभर अभियान चलाया गया, जिसमें 8 आतंकवादी मारे गए। कार्रवाई में एक पाकिस्तानी सैनिक की भी मौत हो गई। मीडिया के अनुसार इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) द्वारा बुधवार को जारी एक बयान के मुताबिक दक्षिण वजीरिस्तान जिले के शिनवारसाक इलाके में जानकारी के आधार पर एक अभियान (आईबीओ) चलाया गया, जिसमें सुरक्षाकर्मियों और आतंकवादियों के बीच भीषण गोलीबारी हुई। कार्रवाई में एक सैनिक की भी मौत हो गई। बयान के अनुसार सैनिकों ने प्रभावी ढंग से आतंकवादियों का मुकाबला किया। अभियान में दुर्दान्त आतंकवादी कमांडर जान मुहम्मद उर्फ चारघ सहित आठ आतंकवादियों को मार गिराया गया। बयान में बताया गया कि वारदात के स्थल से हथियार और गोला-बारूद जब्त किए गए। ये आतंकवादी सुरक्षा बलों के खिलाफ आतंकवादी कृत्यों और निर्दोष नागरिकों की हत्या करने जैसे कृत्यों में शामिल थे। बयान में कहा गया कि पाकिस्तान के सुरक्षा बल आतंकवाद का खात्मा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मारे गए आतंकवादी किस संगठन के थे, इसका पता लगाया जा रहा है।

अमेजन कर्मचारियों के लिए स्टॉक कम करने की योजना बना रहा

सैन फ्रांसिस्को । बड़े पैमाने पर छंटनी के बाद, अमेजन अब कथित तौर पर 2025 में कर्मचारियों के लिए स्टॉक कम करने की योजना बना रहा है। यह कदम अमेजन के मुआवजे के दृष्टिकोण में संभावित बड़े बदलाव का संकेत देता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेजन ने प्रबंधकों से कहा है कि 2025 के लिए कर्मचारी स्टॉक पुरस्कार, जिसे प्रतिबंधित स्टॉक इकाइयां या आरएसयू कहा जाता है, आर्थिक माहौल और कंपनी के बजट के कारण कम हो जाएगा। अमेजन प्लान फॉर स्टॉक वेरिएशन के लिए अगले वर्ष की पहली तिमाही में 2025 के मुआवजे का पुनर्मूल्यांकन करेगा। रिपोर्ट के मुताबिक अगले साल शुरू होने वाले दो साल के अनुदान चक्र को देखते हुए अंतिम दृष्टिकोण वर्ष 2025 को संदर्भित करता है। मेमो ने अमेजन के पे मॉडल में बदलाव की ओर भी संकेत दिया जो कर्मचारियों को अधिक नकदी देगा, एक ऐसा बदलाव जो इसके स्टॉक मूल्य में किसी भी संभावित कमजोरी के लिए बना सकता है। अमेजन के शेयर वर्तमान में 2018 और 2020 में लगभग समान स्तर पर कारोबार कर रहे हैं। रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि स्टॉक मूल्यवृद्धि की कमी के कारण कुछ कर्मचारियों को उनके आरएसयू-आधारित मुआवजे के मूल्य के बारे में शिकायत करनी पड़ी है। अमेजन के प्रवक्ता ने कहा कि अमेजन के वेतन ढांचे में बदलाव एक संभावना है। इस बीच, अमेजन ने अपने गेमिंग डिवीजनों में 100 से अधिक कर्मचारियों की छुट्टी कर दी है, जिसमें कंपनी में चल रही छंटनी के हिस्से के रूप में प्राइम गेमिंग, गेम ग्रोथ और अमेजन गेम्स शामिल हैं।

ताइवानी राष्ट्रपति और अमेरिकी हाउस स्पीकर की मुलाकात से चिढ़ा चीन

वॉशिंगटन । ताइवानी राष्ट्रपति ने अमेरिकी हाउस स्पीकर केविन मैक्कार्थी के साथ मुलाकात के लिए आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि यह मुलाकात दिखाती हैं, कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर ताइवान अलग-थलग नहीं पड़ा है। लेकिन ताइवान का सबसे बड़ा दुश्मन चीन मुलाकात से बौखला गया है, और चीन ने जल्द ही कड़ी प्रतिक्रिया की धमकी दी है। रिपब्लिकन पार्टी के मैक्कार्थी ने कैलिफोर्निया में त्साई इंग-वेन का स्वागत किया। ताइवानी राष्ट्रपति ने कहा कि अमेरिका में दोनों पक्षों के नेताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया है। ताइवान को लेकर अमेरिका और चीन के बीच पिछले साल उस वक्त तनाव अपने चरम पर पहुंच गया था जब पूर्व स्पीकर नैंसी पेलोसी ताइपे पहुंच गई थीं। त्साई इंग-वेन ने कहा कि उनकी (अमेरिकियों की) मौजूदगी और अटूट समर्थन ताइवान के लोगों को आश्वस्त करता है कि हम अलग-थलग नहीं हैं और हम अकेले नहीं हैं। 70 से अधिक वर्षों के स्व-शासन के बावजूद चीन ताइवान को अपने क्षेत्र के हिस्से के रूप में देखता है। वह जरूरत पड़ने पर बलपूर्वक इस मेनलैंड चाइना में दुबारा मिलाने की कसम खा चुका है। बीजिंग ताइपे के अन्य देशों के साथ किसी भी तरह के आधिकारिक संबंधों का विरोध करता है। ताइवान को लेकर चीन वन चाइना पॉलिसी पर जोर देता है। त्साई और मैक्कार्थी की मुलाकात की तस्वीरें सामने आने के कुछ ही घंटों बाद चीन भड़क उठा और उसने कड़ी प्रतिक्रिया दी। चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा, अमेरिका और ताइवान के बीच मिलीभगत के गंभीर रूप से गलत कृत्यों के जवाब में चीन राष्ट्रीय संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए दृढ़ और प्रभावी उपाय करेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति बनने की रेस में शामिल मैक्कार्थी ने ताइवान को अमेरिकी हथियारों की बिक्री जारी रखने की कसम खाई। पिछले साल मैक्कार्थी की पूर्ववर्ती स्पीकर डेमोक्रेट पेलोसी ने ताइवान का दौरा किया था। चीन ने न सिर्फ इस दौरे का विरोध किया था बल्कि आक्रामक धमकियां भी दी थीं। विरोध के रूप में चीन ने ताइवान का घिराव कर पानी में अपना सबसे बड़ा सैन्य अभ्यास शुरू किया था। पेलोसी ने कैलिफोर्निया की बैठक की प्रशंसा की, जिसमें एक दर्जन से अधिक सांसदों, डेमोक्रेट और रिपब्लिकन दोनों ने भाग लिया।

पेरिस में फ्रांस के प्रधानमंत्री एलिसबेथ बोर्न व इंटर यूनियन के प्रतिनिधि एक होटल में पेंशन सुधार विधेयक पर बातचीत करते हुए।

पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप मामले में पॉर्न स्टार स्टॉमी डेनियल को झटका

वॉशिंगटन । अमेरिका में इन दिनों एक कानूनी लड़ाई खूब सुर्खियां बढ़ोर रही है। एक ओर अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हैं, तब वहीं दूसरी ओर पॉर्न स्टार स्टॉमी डेनियल है। ट्रंप पर 2016 के चुनाव अभियान के दौरान डेनियल को गुप्त भुगतान करने सहित 34 आरोप लगाए गए हैं। न्यूयॉर्क की एक अदालत में जज के सामने ज्यूरी आरोप लगा चुकी है, मामले में छानबीन अब शुरू हो गई है। लेकिन अमेरिका की एक दूसरी अदालत ने पोर्न स्टार डेनियल को ही बड़ा झटका दे दिया है। अदालत ने अपने फैसले में डेनियल को ट्रंप के खिलाफ मानहानि केस में 1,22,000 डॉलर का भुगतान करने के लिए कहा है। ट्रंप 2016 के राष्ट्रपति पद के चुनाव प्रचार के दौरान एडल्ट फिल्मों की अभिनेत्री स्टार्मी डेनियल को मुंह बंद रखने के लिए पैसे देने के आरोपों से जुड़े आपराधिक मामले में सुनवाई के लिए मैनहट्टन की अदालत में आत्मसमर्पण करने पहुंचे थे। डेनियल ने आरोप लगाया था कि 2006 में ट्रंप के साथ उनका प्रेम संबंध था और 2016 के राष्ट्रपति चुनाव से पहले अपना मुंह बंद रखने के लिए उन्हें 1,30,000 डॉलर दिए गए थे। दूसरी ओर अमेरिका की एक अपीलीय अदालत ने यह फैसला सुनाया कि पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप के खिलाफ मानहानि के मुकदमे में 1,22,000 डॉलर के उनके कानूनी खर्च का भुगतान एडल्ट फिल्मों की अभिनेत्री डेनियल को करना होगा। ट्रंप के खिलाफ आपराधिक मामले में सुनवाई की अगली तारीख चार दिसंबर तय की गई है, इसमें ट्रंप को व्यक्तिगत रूप से पेश होना होगा। ट्रंप अमेरिकी के पहले पूर्व राष्ट्रपति हैं जिन पर आपराधिक आरोप लगाए गए हैं।

चीन और दक्षिण कोरिया मुंह ताकते रह गए, भारत ने धमक के साथ संयुक्त राष्ट्र सांख्यिकी आयोग में बनाई जगह

अंकारा (एजेंसी)। वैश्विक पटल पर भारत का डंका बढ़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हमारे देश को एक बड़ी कामयाबी हासिल हुई है। बारत ने संयुक्त राष्ट्र सांख्यकी आयोग के चुनाव में जीत हासिल कर ली है। भारत अब अगले चार सालों तक संयुक्त राष्ट्र के इस संगठन में सदस्य रहेगा। भारत ने एशिया प्रशांत क्षेत्र के तहत चीन और दक्षिण कोरिया जैसे देशों को चुनाव में पराजित करते हुए संयुक्त राष्ट्र के समन्वय बोर्ड का भी सदस्य चुना गया है। बता दें कि एचआईवी का समन्वय बोर्ड दुनियाभर में इस खतरनाक बीमारी पर निगरानी और इसे मिटाने में मदद देता है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत को अगले साल एक जनवरी से शुरू होने वाले चार साल के कार्यकाल के लिए संयुक्त राष्ट्र के सर्वोच्च सांख्यिकीय निकाय के लिए चुना गया है। जयशंकर ने कहा कि सांख्यिकी, विविधता और जनसांख्यिकी के क्षेत्र में भारत की विशेषज्ञता ने इसे संयुक्त राष्ट्र सांख्यिकी आयोग में स्थान दिलाया है। जयशंकर ने ट्वीट करते हुए कहा कि सांख्यिकी, विविधता और जनसांख्यिकी के क्षेत्र में भारत की विशेषज्ञता ने इसे संयुक्त राष्ट्र सांख्यिकी आयोग में एक सीट अर्जित की

है। बधाई टीम- संयुक्त राष्ट्र में भारत का स्थायी मिशन एक प्रतिस्पर्धी चुनाव में इतनी मजबूती से आने के लिए।

जयशंकर ने कहा कि सांख्यिकी, विविधता और जनसांख्यिकी के क्षेत्र में भारत की विशेषज्ञता ने उसे संयुक्त राष्ट्र सांख्यिकी आयोग में स्थान दिलाया है। इस मामले के जानकार ने बताया कि भारत ने संयुक्त राष्ट्र सांख्यिकी आयोग के चुनाव में 53 में से 46 वोट हासिल करके शानदार जीत हासिल की। जबकि प्रतिद्वंद्वी कोरिया गणराज्य को 23 वोट, चीन को 19 वोट और संयुक्त अरब अमीरात को 15 वोट मिले। दो सीटों के लिए चार प्रत्याशी मैदान में थे।

जयशंकर ने आतंकवाद पर इस्लामाबाद को दिखाया आईना, बौखलाए पाकिस्तान ने लगाया कूटनीतिक मोर्चे पर बदनाम करने का आरोप

भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर द्वारा इस्लामाबाद को उसकी आतंकवाद की नीति पर आईना दिखाने के बाद से पाकिस्तान परेशान है। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान इन दिनों इस्लामाबाद के लिए एक बड़ा सिरदर्द बन गया है। पाकिस्तान की उप विदेश मंत्री हिना रब्बानी खार ने भारतीय नेतृत्व पर पाकिस्तान के प्रति 'बेतुके जुनून' का आरोप लगाया है। पाकिस्तान की तरफ से भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर की उस टिप्पणी पर प्रतिक्रिया आई है, जिसमें उन्होंने पाकिस्तान को फ्रैंकस्टीन राक्षस बताया था। पाकिस्तान की विदेश राज्य मंत्री हिना रब्बानी खार ने कहा कि पाकिस्तान को कूटनीतिक मोर्चे पर बदनाम करने और अलग-थलग करने की कोशिशों के बाद भारतीय नेता आर्मचेयर पंडित बन गए हैं। पाकिस्तान पर ध्यान केंद्रित करके वो अपने देश के विकास की अनदेखी कर रहे हैं। कट्टर हिंदुस्तव विचारधारा की वजह से भारत का सामाजिक ढांचा बर्बाद हो रहा है। खार ने कहा कि सिंधु जल संधि के लिए भारत के पत्र का पाकिस्तान ने जवाब दिया है। पाकिस्तान संधि के लिए अच्छी भावना के साथ प्रतिबद्ध है। विश्व बैंक के अच्छे कार्यालयों के माध्यम से 1960 में हस्ताक्षरित भारत जल संधि देशों के बीच कटु संबंधों के उलटफेर से बची रही। एक अन्य सवाल के जवाब में बलूच ने कहा कि पाकिस्तान ने संचार के प्रासंगिक माध्यम का इस्तेमाल किया, जहां हमारे सिंधु आयुक्त ने अपने भारतीय समकक्ष को पत्र भेजा।

मुस्लिम देशों को नया रहनुमा बना चीन, अमेरिका को फूटी आंख पंसद नहीं आ रहा

बीजिंग (एजेंसी)। सालों की अदावत भूलकर सऊदी अरब और ईरान जैसे दो अलग-अलग ध्रुवों पर रहने वाले मुस्लिम देश रमजान के पवित्र महीने में साथ आए हैं। मार्च में ही दोनों देशों ने कूटनीतिक संबंधों की बहाली का फैसला लिया था। गुरुवार को दोनों देशों के विदेश मंत्रियों ने बीजिंग में मुलाकात की। 7 साल बाद दोनों देशों के नेताओं की यह कोई औपचारिक मीटिंग हुई है। सऊदी अरब की सरकारी मीडिया ने मुलाकात की तस्वीर साझा की है। इसमें सऊदी विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान अपने ईरानी समकक्ष हुसैन आमिर अब्दुल्लाहियान के साथ नजर आ रहे हैं। दोनों एक पारंपरिक चीनी पेंटिंग के सामने खड़े हाथ मिलाते दिख रहे हैं। इसके बाद वे एक कॉन्फ्रेंस रूम में मुलाकात के लिए जाते हैं। मार्च में ही सऊदी अरब और ईरान के बीच कूटनीतिक संबंधों की बहाली का फैसला लिया गया था। यह मीटिंग भी चीन के दखल के चलते ही हुई थी।

हालांकि बड़ा सवाल यह है कि दो इस्लामिक देशों में दोस्ती के लिए चीन आखिर क्यों इतना प्रयास कर रहा है। एक्सपर्ट्स कहते हैं कि चीन को लगता है कि ईरान और सऊदी अरब की दोस्ती कराने से चीन को प्रतीकात्मक लाभ होगा और तेल के तौर पर भी बड़ा फायदा मिलेगा। दोनों देश दुनिया के बड़े तेल उत्पादक हैं और चीन को लगता है कि इनसे संबंध बेहतर करने से तेल की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित होगी। इसके अलावा सऊदी अरब को अपने पाले में रखकर अमेरिका एक ओर ईरान को किनारे रख रहा था, वहीं मुस्लिम देशों में भी पैठ बनाए हुए थे।

चीन ने इन देशों में दोस्ती कराके अमेरिकी दखल को कम कर अपनी ताकत में इजाफा किया है। दरअसल बीते साल अप्रैल में ही शी जिनपिंग ने लगातार तीसरा कार्यकाल मिलने के बाद ग्लोबल सिक्योरिटी इनिशिएटिव की बात की थी। इसके तहत शी ने दुनिया भर में चीन की पैठ बढ़ाने और अमेरिका के मुकाबले एक वैकल्पिक ग्लोबल ऑर्डर तैयार करने का ऐलान किया था। इसके तहत चीन अब अरब और खाड़ी देशों में अपना दखल बढ़ाया है। वह इन्हीं देशों से अपनी जरूरत का 40 फीसदी कच्चा तेल भी आयात करता है।

दिसंबर में ही जिनपिंग ने सऊदी का भी दौरा किया था। दशकों बाद किसी चीनी राष्ट्राध्यक्ष की यह सऊदी अरब की विजिट थी। इस दौरे से ही साफ हो गया था कि चीन अब मुस्लिम देशों में रिश्तों की नई इबारत लिखने की तैयारी में है। सऊदी अरब का रुख भी पिछले कुछ महीनों से बदला दिख रहा है। बीते साल ही उसने रूस के साथ एक समझौता करते हुए तेल उत्पादन में कटौती का फैसला कर लिया था। इस पर अमेरिका ने ऐतराज भी जताया था, लेकिन सऊदी अरब पीछे नहीं हटा था। तभी से माना जा रहा है कि सऊदी अरब अमेरिका की बजाय चीन और रूस के ब्लॉक में जाता दिख रहा है।

रमजान के दौरान अल-अक्सा मस्जिद बनी जंग का मैदान, जमकर दागे रॉकेट

यरुशलम (एजेंसी)। इजरायली पुलिस ने बुधवार सुबह पुराने यरुशलम शहर में स्थित अल-अक्सा मस्जिद पर धावा बोल दिया। जिसके जवाब में फिलिस्तीनी युवकों ने ग्रेनेड दागे। उधर, गाजा के उग्रवादियों ने दक्षिणी इजरायल पर रॉकेट दागे, जिसके बाद इजरायल ने हवाई हमले किए। हिंसा की ये घटनाएं ऐसे समय में हुई हैं जब मुसलमान पवित्र महीना रमजान मना रहे हैं। वहीं यहूदी सप्ताह भर चलने वाले पासोवर त्योहार की तैयारियों में लगे हैं। इन घटनाओं से दोनों पक्षों के बीच टकराव के और तेज होने की आशंका पैदा हो गई है। दो साल पहले भी इजरायल और हमास के बीच इसी तरह की झड़पें हुई थीं और उसके बाद 11 दिनों तक युद्ध चला था। इजरायली सेना ने कहा कि कब्जे वाले पश्चिमी तट में एक अलग घटना में एक सैनिक को गोली मार दी गई।

गौरतलब है कि अल-अक्सा मस्जिद एक संवेदनशील पहाड़ी पर स्थित है जो यहूदियों और मुसलमानों दोनों के लिए पवित्र स्थान है। अल-अक्सा इस्लाम में तीसरा सबसे पवित्र स्थल है और रमजान के दौरान श्रद्धालुओं की यहां काफी भीड़ रहती है। आधिकारिक फलस्तीनी समाचार एजेंसी वफा ने कहा कि रात में दर्जनों श्रद्धालु मस्जिद के अंदर थे और पुलिस की कार्रवाई में वे घायल हो गए। इजरायली पुलिस ने कहा कि कई युवा और नकाबपोश प्रदर्शनकरी पटाखों, डंडों और पत्थरों से लैस थे तथा वे कानून का उल्लंघन कर रहे थे। पुलिस के अनुसार इसके बाद सुरक्षाकर्मियों ने कार्रवाई की। पुलिस ने कहा कि युवकों ने भड़काऊ नारे लगाए और मुख्य दरवाजे को बंद कर दिया।

बिलावल भुट्टो पर इमरान खान का तगड़ा हमला, कहा- ऐसे लोग देश के प्रति वफादार नहीं हैं

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख इमरान खान ने मार्शल लॉ पर अपनी टिप्पणी के लिए पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी पर निशाना साधते हुए कहा कि ऐसे लोग देश के प्रति वफादार नहीं हैं। द न्यूज इंटरनेशनल ने खान के हवाले से कहा कि जो लोग मार्शल लॉ देखना चाहते हैं, वे देश के प्रति वफादार नहीं हैं। इससे पहले सोमवार को बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा था कि सत्तारूढ़ पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट (पीडीएम) गठबंधन सुप्रीम कोर्ट के फैसले को स्वीकार नहीं करेगा, जिसने पंजाब प्रांतों में चुनाव के लिए 14 मई की तारीख तय की थी। द न्यूज इंटरनेशनल की एक रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने इस मामले पर एक पूर्ण

अदालत की पीठ के गठन की मांग करते हुए कहा कि अगर इसका गठन नहीं किया जाता है, तो इससे देश में मार्शल लॉ या आपातकाल जैसी स्थिति पैदा हो सकती है। इमरान खान ने दावा किया कि फैसले के बाद सत्तारूढ़ गठबंधन सुप्रीम कोर्ट के जजों के परिवारों के खिलाफ दुष्प्रचार कर रहा है। उन्होंने कहा कि देश में कानून का राज कायम है। क्रिकेटर से राजनेता बने इमरान तोशखाना मामले में भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहे हैं। वह तोशखाना नामक सरकारी डिपॉजिटरी से रियायती मूल्य पर प्रीमियर के रूप में प्राप्त एक महंगी ग्रेफ कलाई घड़ी सहित उपहार खरीदने और लाभ के लिए उन्हें बेचने के लिए निशाने पर है। बिक्री का विवरण साझा नहीं करने के कारण इमरान खान को पिछले साल अक्टूबर में पाकिस्तान के चुनाव आयोग (ईसीपी) द्वारा अयोग्य घोषित कर दिया गया था। चुनाव निकाय ने बाद में देश के प्रधान मंत्री के रूप में प्राप्त उपहारों को बेचने के लिए आपराधिक कानूनों के तहत उन्हें दंडित करने के लिए जिला अदालत में शिकायत दर्ज की गई।

ऑस्ट्रेलिया ने भी लगाई टिकटॉक के इस्तेमाल पर रोक

सिडनी । चीनी शॉर्ट वीडियो ऐप टिकटॉक के इस्तेमाल पर इंडिया के बाद अब आस्ट्रेलिया ने भी रोक लगा दी है। अब चीनी ऐप को किसी भी सरकारी कर्मचारी या ऑस्ट्रेलियाई सांसदों के फोन, कम्प्यूटर पर इंस्टॉल नहीं किया जाएगा। इससे पहले अमेरिका, ब्रिटेन, न्यूजीलैंड और फ्रांस भी सुरक्षा कारणों से टिकटॉक पर ऐसा ही प्रतिबंध लगा चुके हैं। आस्ट्रेलिया सरकार ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए तुरंत प्रभाव से इस फैसले को अमल में लाने का आदेश दिया है। हालांकि टिकटॉक की पेरेंट कंपनी बाइट डांस ने जासूसी के आरोपों को सिरे से खारिज किया है। आस्ट्रेलियाई टॉर्नी-जनरल मार्क ड्रेफस ने खुफिया और सुरक्षा एजेंसियों की सलाह लेने के बाद मंगलवार को प्रतिबंध की घोषणा करते हुए कहा कि इस आदेश को 'जितनी जल्दी संभव हो सके' लागू किया जाएगा।

मुझे भरोसा है आप ऐसा कर सकते हैं, मैक्रों ने बीजिंग यात्रा पर जिनपिंग से की जंग रुकवाने की अपील, जवाब में चीनी राष्ट्रपति ने ये कहा

बीजिंग (एजेंसी)। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन ने चीन के राट्रपति शी जिनपिंग से रूस के साथ तर्क करने और यूक्रेन में युद्ध को समाप्त करने में मदद करने का आग्रह किया है। बता दें कि बीजिंग में उच्च-स्तरीय बैठक के लिए इमैनुएल मैक्रों 3 दिन की यात्रा पर बीजिंग पहुंचे हैं। इस दौरान उन्होंने जिनपिंग से रूस-यूक्रेन जंग पर चर्चा की। उन्होंने जिनपिंग से रूस को जंग रुकवाने के लिए तैयार करने की अपील की। जिसके जवाब में जिनपिंग ने भी आश्वासन देते हुए कहा है कि चीन अपनी तरफ से इस बारे में पूरी कोशिश कर रहा है।

ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल के बाहर चीनी राष्ट्रपति के साथ बैठक से पहले मैक्रों ने शी से कहा कि यूक्रेन में रूसी आक्रमण ने (अंतरराष्ट्रीय) स्थिरता को झटका दिया है। मुझे पता है कि मैं आप पर भरोसा कर सकता हूं कि रूस को तर्क के लिए वापस लाया जाए और सभी को बातचीत की मेज पर वापस लाया जाए। मैक्रों ने शी से परमाणु हथियारों के अप्रसार पर अंतरराष्ट्रीय नियमों का पालन करने के लिए रूस पर दबाव डालने को भी कहा। बता दें कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि वह यूक्रेन के पड़ोसी बेलारूस में सामरिक परमाणु हथियारों को तैनात करेंगे, इस कदम को साल भर चलने वाले खूनी संघर्ष में खतरनाक वृद्धि के रूप में देखा जा रहा है।

यूरोपीय संघ के प्रमुख उर्सुला वॉन डेर लेयेन के साथ मैक्रॉन की यात्रा बीजिंग के साथ एक रुके हुए निवेश समझौते से लेकर यूक्रेन के आक्रमण पर रूस की निंदा करने के लिए चीन की अनिच्छा तक के मुद्दों पर वर्षों से चली आ रही खटास के बाद आई है। जिनपिंग से मिलने से पहले मैक्रों ने चीनी प्रधानमंत्री ली कियांग से भी मुलाकात की है। ग्रेट हॉल में पहुंचने पर फ्रेंच राष्ट्रपति को 21 तोपों की सलामी दी गई। वहीं ब्रास बैंड ने दोनों देशों के नेशनल एंथम बजाए।

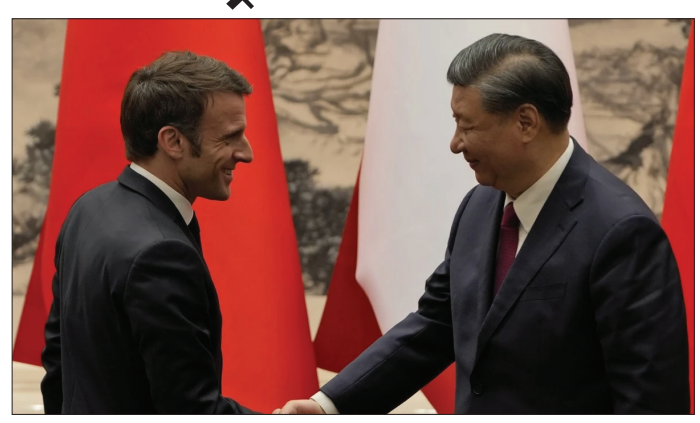

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कतर में गिरफ्तार किए गए 8 पूर्व नौसेना अधिकारियों की रिहाई कराए सरकार : कांग्रेस

नई दिल्ली । कांग्रेस ने कतर में गिरफ्तार किए गए 8 पूर्व नौसेना अधिकारियों की रिहाई के लिए गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हस्तक्षेप की मांग की। नौसेना के सेवानिवृत्त अधिकारी कतारी अमीरी नौसेना बल के प्रशिक्षण में शामिल हुए थे। उनकी रिहाई की मांग करते हुए, पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि आठों को कथित तौर पर एकांत कारावास में रखा गया है। भारत सरकार को न तब गिरफ्तारी की सूचना दी गई और न ही आरोपों के बारे में कोई जानकारी दी गई। उन्हें सात महीने पहले 30 अगस्त 2022 को हिरासत में लिया गया था। उन्होंने ट्वीट किया, केंद्र सरकार अभी भी मामले के तथ्यों का पता लगाने या पूर्व नौसेनाकर्मियों और उनके परिवारों को आश्वस्त करने में असमर्थ क्यों है? विदेश मंत्री जयशंकर ने संसद में बहुत संवेदनशील मामला बताकर कहा था कि हिरासत में लिए गए व्यक्तियों के हित सबसे पहले हैं.. हम विश्वास दिलाते हैं, वे हमारी प्राथमिकता हैं। फिर भी एक ओमानी नागरिक जिसे पूर्व-नौसेना कर्मियों के साथ गिरफ्तार किया गया था, नवंबर में रिहा कर दिया गया, जबकि भारतीय नागरिक अभी भी हिरासत में हैं। उन्होंने कहा, क्या पीएम कतर पर दबाव नहीं बनाना चाहते, क्योंकि इसका सॉवरेन वेल्थ फंड अडानी इलेक्ट्रिसिटी मुंबई में एक प्रमुख निवेशक है? क्या इसी कारण है कि जेल में बंद पूर्व-नौसैनिक कर्मियों के रिश्तेदार जवाब के लिए दर-दर भटक रहे हैं? समय बीत रहा है। कांग्रेस पार्टी सरकार से आग्रह करती है कि वह परिवारों और लोगों को बताए कि हमारे पूर्व सैनिकों के साथ इस तरह का व्यवहार क्यों किया जा रहा है।

मुंबई में 20 करोड़ का ड्रग्स बरामद, तीन तस्कर गिरफ्तार

मुंबई। कोकीन की तस्करी करने वाले एक अंतरराष्ट्रीय गिरोह का मुंबई में भंडाफोड़ हुआ है. डायरेक्टोरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (डीआरआई) ने मुंबई एयरपोर्ट पर बुधवार को करीब 1970 ग्राम कोकीन बरामद किया. ड्रग्स का बाजार मूल्य करीब 20 करोड़ रुपए है. इस मामले में एक अफ्रीकी शख्स समेत कुल तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है. डीआरआई की ओर से दी गई जानकरी के मुताबिक एक 35 साल का आरोपी आदिस अबाबा से मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट पर उतरा था. यह आरोपी अपने बैग में 1970 ग्राम कोकीन छुपाकर लाया था. डीआरआई के अधिकारियों को इस यात्री पर शक हुआ. इसके बाद उस पर नजर रखी गई और पूरी प्लानिंग से उसे गिरफ्तार कर लिया गया. गिरफ्तार आरोपी मुंबई एयरपोर्ट पर अपने सहयोगी को यह कोकीन देने वाला था. आरोपी अपने ड्रग्स की खेप को अपने सहयोगी की मदद से मुंबई से देश के बाकी हिस्सों में फैले अपने नेटवर्क तक इसे पहुंचाने की कोशिश में था. लेकिन प्लान कामयाब होने से पहले ही डीआरआई अधिकारियों की कार्रवाई से इसका भंडाफोड़ हो गया और ड्रग्स की एक बड़ी खेप पकड़ी गई.

कोरोना हो रहा बेकाबू, एक दिन में 5300 से अधिक केस मिलने से हड़कंप

नई दिल्ली । देश में कोरोना एक बार फिर बेकाबू होता नजर आ रहा है। पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस के 5335 नए मामले सामने आए हैं। इसके साथ ही देश में एक्टिव मरीजों की संख्या भी बढ़ गई है। मौजूदा समय में कोरोना संक्रमित एक्टिव मरीजों की संख्या 25,587 हो गई है। पिछले साल 23 सितंबर के बाद पहली बार दैनिक मामलों ने 5,000 का आंकड़ा पार किया है। वहीं देश में कोरोना का डेली पॉजिटिविटी रेट 3।32 प्रतिशत है। वहीं पिछले 24 घंटे में 6 कोरोना संक्रमितों की मौत हो गई। कोरोना वायरस संक्रमण के मामले में दिल्ली, महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, तमिलनाडु और कर्नाटक खास प्रभावित नजर आ रहा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक एक दिन में कर्नाटक में 2, महाराष्ट्र में 2 और पंजाब में 1 मरीज की मौत हुई है। इसके अलावा केरल में भी एक मरीज ने जान गंवाई है। भारत में साप्ताहिक पॉजिटिविटी रेट 2।89 फीसदी है। पिछले 24 घंटे में 2 हजार 826 लोगों ने कोरोना को मात दी। वहीं 1993 लोगों ने डोज लिया। भारत में अब तक 92।23 करोड़ लोग टेस्ट करा चुके हैं। जानकारी के अनुसार बीते बुधवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 4,435 नए मामले आने के बाद देश में अभी तक संक्रमित हुए लोगों की संख्या बढ़कर 4,47,33,719 हो गई थी. पिछले 163 दिन में सामने आए ये सर्वाधिक दैनिक मामले थे. वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 23,091 पर पहुंच गई थी। देश में पिछले साल 25 सितंबर को कोविड के 4,777 दैनिक मामले सामने आए थे।

अगले छह माह में एससी के सात जज हो जाएंगे रिटायर

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में आने वाले छह माह में सात जज सेवानिवृत्त हो जाएंगे। जिससे सर्वोच्च न्यायालय में सात रिक्तियां पैदा हो जाएंगी। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट में इस समय कोई रिक्त नहीं है। एससी में ?फिलहाल अधिकृत जजों की संख्या 34 है, जो इस समय पूरी है। फरवरी में एक साथ सात जजों की नियुक्ति होने से सुप्रीम कोर्ट में रिक्तियां समाप्त हो गई थीं। रिटायर होने की कड़ी में सबसे पहले मई में जस्टिस एमआर शाह और दिनेश माहेश्वरी का नाम है। इनके बाद जून में जस्टिस केएम जोसेफ, अजय रस्तोगी और वी। रामासुब्रह्मण्यम सेवानिवृत्त होंगे। इसी क्रम में जुलाई और अक्टूबर में जस्टिस कृष्ण मुरारी और रविंद्र भट्ट रिटायर होंगे। जस्टिस जोसेफ, एमआर शाह और अजय रस्तोगी कॉलेजियम के सदस्य हैं, जो सुप्रीम कोर्ट में और हाईकोर्ट में जजों की नियुक्ति करता है। इसके बाद 25 दिसंबर को सुप्रीम कोर्ट में दूसरे वरिष्ठतम जज जस्टिस एसके कौल सेवानिवृत्त होंगे। जस्टिस कौल भी कॉलेजियम के सदस्य हैं। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट में पांच वरिष्ठतम जजों का कॉलेजियम सर्वोच्च अदालत में जजों की नियुक्तियां करता है। ये जज हाईकोर्ट से लाए जाते हैं जो वहां या तो मुख्य न्यायाधीश होते हैं या उनकी जज के रूप में कम से कम 10 वर्ष की सेवा होती है। इन जजों को मेमोरंडम ऑफ प्रोसीजर यानी नियुक्ति के ज्ञापन के जरिये चुना जाता है।

पीएम मोदी के दौरे से पहले 9 अप्रैल तक बांदीपुर नेशनल पार्क में पर्यटकों के प्रवेश पर रोक

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 9 अप्रैल को कर्नाटक के बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान का दौरा करने के लिए पूरी तरह से तैयार होने के साथ, जिला प्रशासन ने 6 अप्रैल से 9 अप्रैल तक टाइगर रिजर्व में पर्यटकों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह पीएम मोदी की इस साल राज्य की आठवीं चुनावी यात्रा होगी। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार मोदी रविवार सुबह बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान का दौरा करेंगे और संरक्षण गतिविधियों में शामिल फ्रंटलाइन फील्ड स्टाफ और स्वयं सहायता समूहों के साथ बातचीत करेंगे। वह तमिलनाडु में मुदुमलाई टाइगर रिजर्व में थेप्पाकडू हाथी शिविर का भी दौरा करेंगे और शिविर में महावतों और कावड़ियों (महावतों के सहायक) के साथ बातचीत करेंगे। पीएम मोदी टाइगर रिजर्व के क्षेत्र निदेशकों के साथ भी बातचीत करेंगे, जिन्होंने प्रबंधन प्रभावशीलता मूल्यांकन अभ्यास के हाल ही में संपन्न पांचवें चक्र में सर्वोच्च स्कोर किया है। बांदीपुर में प्रधानमंत्री अंतर्राष्ट्रीय बिग कैट्स एलायंस (आईबीसीए) का भी शुभारंभ करेंगे। जुलाई 2019 में पीएम मोदी ने एशिया में अवैध शिकार और अवैध वन्यजीव व्यापार पर सख्ती से अंकुश लगाने के लिए वैश्विक नेताओं के गठबंधन का आह्वान किया था। पीएमओ के बयान में कहा गया है कि इस संदेश को आगे ले जाने के लिए गठबंधन शुरू किया जा रहा है। पीएम मोदी 'प्रोजेक्ट टाइगर के 50 वर्षों के स्मरणोत्सव' कार्यक्रम का भी उद्घाटन करेंगे, जहां वे 'अमृत काल का विजन फॉर टाइगर कंजर्वेशन' प्रकाशनों का विमोचन करेंगे, प्रबंधन के पांचवें चक्र की एक सारांश रिपोर्ट, टाइगर रिजर्व के प्रभावी मूल्यांकन, बाघ घोषित संख्या और अखिल भारतीय बाघ अनुमान की एक सारांश रिपोर्ट जारी करेंगे। प्रोजेक्ट टाइगर के 50 साल पूरे होने पर एक स्मारक सिक्का भी प्रधानमंत्री मोदी द्वारा जारी किया जाएगा।

'विपक्ष ने नहीं चलने दिया संसद', किरेन रिजिजू बोले-

कांग्रेस न तो संविधान को मानती है और न ही कानून का सम्मान करती है

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण हंगामें की वजह से पूरी तरह धूल गया। पूरे सत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष की ओर से जबरदस्त हंगामा मचाया गया। इसको लेकर राजनीति भी हो रही है। वहीं, सत्ता पक्ष वे विपक्ष पर एक बार फिर से बड़ा हमला बोला है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिरिजू ने कहा कि आज फिर कांग्रेस सांसद और अन्य विपक्षी नेताओं ने आज सदन में हंगामा किया और काले कपड़े पहनकर संसद का अपमान किया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि देश देख रहा है कि कांग्रेस क्या कर रही है। उन्होंने सूरत की अदालत में न्यायपालिका पर दबाव बनाने की कोशिश की। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस न तो भारत के संविधान को मानती है और न ही कानून का सम्मान करती है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कांग्रेस और उनके साथियों ने बहुत गलत तरीके से परेशान किया और सदन को चलने नहीं दिया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को लेकर कांग्रेस पार्टी और उसके साथियों ने जो किया है वो देश देख रहा है। कांग्रेस और उनके गिरोह मिलकर कोर्ट में दबाव डालने के लिए सूरत कोर्ट में जाकर जिस तरह जुलूस निकालकर कोर्ट के परिसर में गए, मैं इसका खंडन करना चाहता हूं। दूसरी ओर आज दिल्ली में संसद के बजट सत्र के आखिरी दिन विपक्षी सांसदों ने संसद से विजय चौक तक 'तिरंगा मार्च' निकाला। इस दौरान कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने भाजपा और केंद्र की मोदी सरकार पर भी निशाना साधा। केसी वेणुगोपाल ने कहा कि पूरी भाजपा और नरेंद्र मोदी सरकार लोकतंत्र को खत्म करने का काम कर रही है। पूरे सत्र में वे बस अडानी को बचाने में लगे थे। उन्होंने कहा कि हम बस जेपीसी जांच की मांग कर रहे हैं। वे इस पर बात तक नहीं कर रहे हैं। हम इस मुद्दे को जनता के बीच लेकर जाएंगे। बजट सत्र का दूसरा हिस्सा हालांकि विपक्ष की अडाणी समूह से जुड़े मामले की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) गठित किए जाने की मांग और लोकतंत्र को लेकर लंदन में राहुल गांधी द्वारा की गई एक टिप्पणी पर सत्ता पक्ष द्वारा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष से माफी मांगने पर जोर देने के कारण हुए हंगामे की भेंट चढ़ गया।

पीएम मोदी ने लोकसभा अध्यक्ष से की मुलाकात, वरिष्ठ मंत्री व विपक्षी नेता भी रहे मौजूद

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने वरिष्ठ मंत्रियों के साथ गुरुवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान कई विपक्षी नेता भी मौजूद रहे। बजट सत्र के आखिरी दिन लोक सभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो जाने के बाद परंपरा के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुनराम मेघवाल के अलावा नेशनल कांफ्रेंस से फारूख अबदुल्ला और एनसीपी से सुप्रिया सुले सहित कई अन्य दलों के नेता भी मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि संसद के बजट सत्र की शुरुआत 31 जनवरी को राष्ट्रपति के अभिभाषण से शुरू हुई थी। एक फरवरी को केंद्रीय वित्त मंत्री ने सदन में बजट पेश किया था। हालांकि, दो चरणों में आयोजित हुआ यह बजट सत्र पूरी तरह से हंगामे की भेंट चढ़ गया। हंगामे के कारण बजट सत्र के दौरान लोक सभा सिर्फ 45 घंटे 55 मिनट ही चल पाई। इस सत्र के दौरान, सिर्फ 6 विधेयक पारित हुए और 8 सरकारी विधेयक को पुन-स्थापित किया गया।

अदानी मसले पर जोर न दें राहुल, कर्नाटक के चुनाव में नहीं होगा कोई फायदा: कांग्रेस नेता

-10 अप्रैल को राहुल गांधी की कोलार में होगी रैली

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक विधानसभा चुनाव का ऐलान हो चुका है और 10 मई को वोटिंग है। इस तरह राज्य में चुनाव के लिए एक ही महीने का वक्त बचा है और राहुल गांधी भी सक्रिय होते दिख रहे हैं। वह 10 अप्रैल को कोलार में एक रैली करने जा रहे हैं। यह स्थान इसलिए अहम है, क्योंकि 2019 में उन्होंने यहीं पर एक रैली में मोदी सरनेम को लेकर विवादित टिप्पणी कर दी थी, जिस पर उनके खिलाफ मानहानि का केस दर्ज हुआ था और उन्हें दो साल की सजा मिली है। राहुल गांधी अब भी मोदी सरकार के खिलाफ आक्रामक हैं और अदानी के मसले पर भी लगातार बोल रहे हैं।

हालांकि, कांग्रेस के लिए मुश्किल यह है कि पार्टी के ही कुछ नेता राहुल गांधी की रणनीति से सहमत नहीं हैं। पार्टी के कुछ नेताओं का कहना है कि अदानी के मसले से कर्नाटक के चुनाव में कोई फायदा नहीं होगा। इन नेताओं का कहना है कि एक या दो बार अदानी का मसला उठाना ठीक है, लेकिन उसके पीछे नहीं पड़ा जा सकता। मीडिया के अनुसार कांग्रेस के कुछ नेता मानते हैं का राहुल गांधी को कोलार से अपनी यात्रा शुरू नहीं करनी चाहिए। इन नेताओं का कहना है कि इससे भाजपा को एक प्वाइंट मिल सकता है, जो कर्नाटक के चुनाव में फिलहाल बैकफुट पर है।

दरअसल, कांग्रेस नेताओं की चिंता यह है कि कोलार में राहुल गांधी सूरत कोर्ट के फैसले पर बात कर सकते हैं। इसके अलावा पीएम नरेंद्र मोदी से गौतम अदानी के रिश्तों को लेकर आक्रामक हो सकते हैं। इस पर कर्नाटक कांग्रेस के नेताओं का मानना है कि इन मुद्दों से पार्टी को चुनाव में खास फायदा नहीं होगा। इसकी बजाय स्थानीय मुद्दों और भाजपा सरकार पर करप्शन के आरोपों पर फोकस करना चाहिए। इन नेताओं का कहना है कि हमने राहुल गांधी की टीम को सलाह दी है कि वे अदानी के मुद्दे को न उठाएं। असल में यहां सबसे बड़ा मुद्दा तो बोम्मई सरकार का भ्रष्टाचार है।

राहुल गांधी अकसर अपने ही हिसाब से मुद्दे उठाते रहे हैं। ऐसे में कई बार राज्य स्तर पर नेताओं को असहमति भी रही है। दरअसल कांग्रेस नेताओं की चिंता यह भी है कि राहुल गांधी की ओर से मोदी पर हमला बोलने से मुकाबला राष्ट्रीय स्तर का हो सकता है। मुकाबला यदि राहुल गांधी बनाम मोदी हुआ तो कांग्रेस को बैकफुट पर जाना पड़ सकता है। यही वजह है कि कर्नाटक कांग्रेस के नेता मानते हैं कि स्थानीय मुद्दे ही फायदा पहुंचाएंगे और राष्ट्रीय मसलों से दूर रहना चाहिए।

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे के नेतृत्व में विपक्षी दलों ने तिरंगा लेकर निकाला मार्च

-सरकार अडानी मामले में जेपीसी गठित क्यों नहीं करती

नई दिल्ली (एजेंसी)। अडाणी-हिंडनबर्ग मामले और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की संसद सदस्यता रद्द करने को लेकर बजट सत्र के आखिरी दिन विपक्षी दलों ने संसद भवन से विजय चौक तक तिरंगे झंडे के साथ मार्च निकाला। मार्च का नेतृत्व राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने किया। मार्च में अन्य सांसदों के साथ यूपीए अध्यक्ष सोनिया गांधी और लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने भी हिस्सा लिया।

मार्च को लेकर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे ने कहा, लोकतंत्र में लोकतांत्रिक तरीके से लड़ना हमारा काम है। सरकार अगर नहीं मानती है, तब ये हठधर्मी है। सरकार को हमेशा सकारात्मक रहना चाहिए, प्रतिक्रिया देनी चाहिए। अगर आप लोकतंत्र को जिंदा रखना चाहते हैं, तब विपक्ष की बात सुननी चाहिए। वहीं कांग्रेस सांसद और पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा, सरकार खुद संसद नहीं चलने दे रही है। वे अडानी घोटाले पर चर्चा क्यों नहीं करना चाहते?

कांग्रेस सत्र शुरू होने के दिन से ही अडाणी-हिंडनबर्ग मामले पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की मांग को लेकर सरकार पर हमलावर है। विपक्षी एकजुटता दर्शाने के लिए मोदी सरकार की नीतियों के विरुद्ध अपना विरोध दर्ज कराने के लिए तमाम विपक्षी दलों के नेताओं ने संसद से विजय चौक तक मार्च निकाला।

एआईएमआईएम का दावा, बिहार में हुई घटना से हुआ भारी नुकसान, सरकार अपने कर्तव्य में विफल रही है

नई दिल्ली (एजेंसी)। रामनवमी के दौरान बिहार में हुई हिंसा को लेकर राजनीतिक बवाल लगातार जारी है। भाजपा सहित तमाम विपक्षी दल राज्य की नीतीश सरकार पर हमलावर है। इन सबके बीच एआईएमआईएम के बिहार प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल इनाम में बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि बिहार में हुई इस घटना से भारी नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि इस घटना के लिए कौन जिम्मेदार है यह जांच का विषय है। सरकार अपने कर्तव्य में विफल रही है। उन्होंने कहा कि मैं 4 अप्रैल को यहां आना चाहता था, मैंने डीएम को लिखा, और उन्होंने मुझे बताया कि हम यहां स्थिति को नियंत्रित कर रहे हैं, और उन्होंने मुझे बाद में आने के लिए कहा।

बिहार एआईएमआईएम अध्यक्ष अख्तरुल इमान जिला प्रशासन द्वारा शहर में प्रवेश करने से रोके जाने का भी आरोप लगया। उन्होंने कहा कि जब मैंने उनसे सवाल किया कि अगर बीजेपी, कांग्रेस और अन्य पार्टी के नेता आ रहे हैं तो मुझे अनुमति क्यों नहीं दी जा रही है? उसने मुझे बताया कि वे मुझसे मिलने आए थे। तो मैंने उनसे कहा कि मैं भी आपसे मिलने आ रहा हूं और वहां के हालात के बारे में पूछ रहा हूं, और जिनके घर जले हैं, उनके लिए क्या मुआवजा तय किया गया है।एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने मंगलवार को नीतीश कुमार पर हमला करते हुए कुछ सवाल पूछे थे। हालांकि, नीतीश की पार्टी जदयू की ओर से ओवैसी को भाजपा का एजेंट तक पता दिया गया था। अब इसी को लेकर ओवैसी ने एक बार फिर से नीतीश कुमार और उनकी पार्टी पर पलटवार किया है। ओवैसी ने साफ तौर पर कहा कि मेरे सवालों का जवाब देने की बजाय मुझे एजेंट बताया जा रहा है। अपना हमलावर रुख जारी रखते हुए उन्होंने कहा कि मैंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से पूछा कि जुलूस के नाम पर हिंदू संगठनों ने फसाद फैलाया और प्रशासन उन्हें रोकने में नाकामयाब रही। लेकिन मेरे सवाल का जवाब देने के बजाय वे हमें एजेंट कह रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि आप अपने भतीजे को लेकर मस्जिद जाइए मुआवजे का ऐलान कीजिए।

कांग्रेस को बड़ा झटका, भाजपा में शामिल हुए एके एंटनी के बेटे, पीयूष गोयल ने दिलाई सदस्यता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण भारत में अपनी पैठ जमाने की कोशिश में जुटी भाजपा को बड़ी कामयाबी मिली है। कांग्रेस के कद्दावर नेता एके एंटनी के बेटे अनिल एंटनी ने भाजपा का दामन थाम लिया है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने अनिल एंटनी को भाजपा के सदस्यता दिलाई। एके एंटनी के बेटे ने उस दिन पार्टी का दामन थामा जिस दिन भाजपा अपना स्थापना दिवस मना रही है। भाजपा में शामिल होने के बाद अनिल एंटनी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जबरदस्त तरीके से तारीफ की। उन्होंने कहा कि मेरा काम राष्ट्रीय के लिए काम करना है। साथ ही साथ उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पास देश को लेकर एक साथ दृष्टिकोण है। इस दौरान वी मुरलीधरन भी मौजूद रहे।

अनिल एंटोनी ने कहा कि एक भारतीय युवा होने के नाते मुझे ऐसा लगता है कि यह मेरी जिम्मेदारी और कर्तव्य है कि मैं प्रधानमंत्री के राष्ट्र निर्माण और राष्ट्रीय एकता के दृष्टिकोण में अपना योगदान दूं।

अनिल ने इसी साल जनवरी महीने में कांग्रेस पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने गुजरात में 2002 में हुए दंगों पर आधारित ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन (बीबीसी) के वृत्तचित्र को भारतीय संस्थानों के विचारों से अधिक महत्व दिए जाने को खतरनाक चलन बताते हुए कहा था कि इससे देश की संप्रभुता प्रभावित होगी। इस प्रतिक्रिया के बाद उन्हें कांग्रेस के भीतर आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा था। इसके बाद उन्होंने पार्टी में अपने सभी पदों से इस्तीफा दे दिया था।

एके एंटनी केरल से आते हैं। 2006 से 2014 तक वह देश के रक्षा मंत्री रहे हैं। एके एंटनी को गांधी परिवार का बेहद करीबी माना जाता है। वह कर्नाटक के मुख्यमंत्री भी रह चुके हैं। देश में सबसे लंबे समय तक रक्षा मंत्रालय की जिम्मेदारी एके एंटनी ने ही संभाली है। इसके अलावा वह तीन बार केरल के मुख्यमंत्री रहे हैं और एक बार नेता प्रतिपक्ष रहे हैं।

फर्जी वीडियो प्रसारित करने आरोप में यूट्यूबर मनीष कश्यप को एनएसए के तहत हिरासत में लिया गया

मदुरै। तमिलनाडु में बिहार के प्रवासी मजदूरों पर हमले का फर्जी वीडियो प्रसारित करने आरोप में गिरफ्तार यूट्यूबर मनीष कश्यप पर तमिलनाडु में राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। मदुरै अपराध शाखा पुलिस ने कश्यप के खिलाफ मामला दर्ज किया और एक विशेष पुलिस दल ने उन्हें बिहार से गिरफ्तार किया। मदुरै के पुलिस अधीक्षक शिव प्रसाद ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, '' तमिलनाडु में बिहारी प्रवासी मजदूरों पर हमले का फर्जी वीडियो प्रसारित करने वाले मनीष कश्यप को एनएसए अधिनियम के तहत हिरायत में लिया गया है।'' कश्यप को मदुरै जिला अदालत में बुधवार को पेश किया गया, जिसने उन्हें 15 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया। इसके बाद कश्यप को मदुरै केंद्रीय कारागार भेज दिया गया है। कश्यप और अन्य के खिलाफ तमिलनाडु में प्रवासी श्रमिकों पर हमले के फर्जी वीडियो फैलाने के आरोप में मामले दर्ज किए गए हैं।

किसानों के हुए नुकसान का सर्वेक्षण कराकर फसलों का मुआवजा दे सरकार: सांसद वरुण गांधी

-ट्विटर पर अपनी ही सरकार को घेरने वाले वरुण अब लिख रहे पत्र

पीलीभीत (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी अपना 43वां स्थापना दिवस मना रही है। उत्तर प्रदेश से लेकर देशभर में भाजपा के नेता और कार्यकर्ता स्थापना दिवस मना रहे हैं, लेकिन पीलीभीत से सांसद वरुण गांधी बीजेपी के लिए ऐसा कौर बन गए हैं, जिन्हें न तो निगलते और न ही उगलते बन रहा है। अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले वरुण भी सक्रियता बढ़ाते जा रहे हैं। अभी तक ट्विटर पर सरकार को घेरने वाले वरुण ने अब लेटर पॉलिटिक्स शुरू कर दी है।

वरुण गांधी एक बार फिर से चर्चा में हैं। उन्होंने किसानों और खेती-किसानी के मुद्दे को लेकर सीएम योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखा है। बेमौसम हुई बारिश के कारण खेतों में खड़ी फसल बर्बाद हो गई है। ऐसे में बीजेपी सांसद वरुण ने अपनी लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले तमाम इलाकों में फसल खराब होने का हवाला देकर सीएम योगी को पत्र लिखा है।

वरुण गांधी ने बारिश को किसानों के ऊपर मानसिक और आर्थिक आघात बताकर सीएम योगी आदित्यनाथ को लेटर लिखा है। इस लेटर के जरिए अपने लोकसभा क्षेत्र में किसानों के हुए नुकसान का सर्वेक्षण कराकर फसलों का मुआवजा देने की मांग रखी है। वरुण ने पीलीभीत के डीएम प्रवीण कुमार लक्षकार के नाम भी खत लिखकर दिशा निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने सर्व कराकर आंकलन करने के लिए कदम उठाए जाने की बात कही है।

सांसद वरुण गांधी अब बीजेपी सरकार पर निशाना साधने का तौर-तरीका बदला है। पिछले कई सालों से वरुण गांधी सोशल मीडिया पर ही ऐक्टिव नजर आए हैं। अपनी ही बीजेपी पार्टी पर सवाल उठाकर वरुण की भविष्य की राजनीति को लेकर अटकलें लगती रही हैं। चाहे बात केंद्र की मोदी सरकार की हो या फिर राज्य की योगी सरकार की। वरुण नीतियों को लेकर सवाल करते आए हैं। अक्सर जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए आगे आते रहे पीलीभीत सांसद वरुण गांधी लगातार किसानों और नौजवानों की आवाज उठाते रहे हैं। इससे पहले भी वह समय-समय पर गरीब तबके के लोगों के साथ खड़े होकर बेरोजगारी जैसे तमाम मुद्दे पर अपनी ही सरकार की नीतियों पर सवालिया निशान खड़े करते नजर आए थे। अब ट्विटर से हटकर वह लेटर लिखकर अपनी बात को आगे रख रहे हैं।

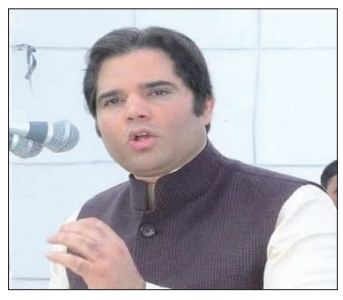

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने

National Rights Group Youtube Channel

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई